@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 30 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 175 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आदित्य ठाकरे का बंगाल चुनावों पर तीखा हमला, लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर उठाए सवाल

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े किए। ठाकरे ने लोगों से अपील की कि वे एक पल रुककर निष्पक्ष और गैर-राजनीतिक ढंग से सोचें कि बंगाल में जो कुछ हो रहा है, क्या वह सही है।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बंगाल का गौरव इस समय चुनाव जीतने की लालच भरी ताकत के सामने चुनौती बनकर खड़ा है। उनका आरोप है कि राज्य के नागरिकों को परेशान किया गया और लाखों लोगों को उनके मताधिकार से वंचित किया गया। ठाकरे ने कहा कि यह सब उस देश में हो रहा है, जो कभी खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहने पर गर्व करता था। चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए उन्होंने इसे पक्षपातपूर्ण करार दिया। ठाकरे के मुताबिक, बंगालियों को डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें दबाव में रखकर एक विशेष राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर मतदाताओं के बीच भय का माहौल बनाया गया।

बंगाल में सेकेंड फेज में 92 फीसदी वोटिंग

• जो देश में कभी नहीं हुआ वो बंगाल में हुआ, टूटे बंपर वोटिंग के सारे रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बुधवार (29 अप्रैल) को दूसरे चरण का मतदान भी पूरा हो गया। इसी के साथ अब बंगाल के दोनों चरणों में कुल 92.52 फीसदी मतदान दर्ज कर लिया गया है। आंकड़ों को उठाकर देखा जाए तो बंगाल में कभी भी 84.72 फीसदी से ज्यादा वोटिंग नहीं हुई। यानी इस बार पश्चिम बंगाल में मतदान का एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। इतना ही नहीं, बंगाल में हुई वोटिंग देशभर में किसी भी राज्य में हुई वोटिंग के रिकॉर्ड से ज्यादा हो गई है।

अब तक यह रिकॉर्ड त्रिपुरा के पास था, जहां 2013 में 91.82 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई थी। मजेदार बात यह है कि बंगाल में इससे पहले 80 फीसदी से ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा 1996 और 2006 में पहुंचा था। ममता बनर्जी के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में वोटिंग का आंकड़ा भी लगातार 80 फीसदी के ऊपर बना रहा, लेकिन मतदान का रिकॉर्ड नहीं टूटा।

टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों के लिये बुधवार को हुए मतदान के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजामों के बावजूद कई स्थानों से हिंसा और गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई। मतदान शुरू होने से पहले नदिया जिले के चापड़ा विधानसभा क्षेत्र में बूथ संख्या 53 पर जाने के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एजेंट मुर्शरफ मीर पर हमला किया गया। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने एजेंट को बुरी तरह पीटा और उनका सिर फोड़ दिया। कोलकाता की हाई प्रोफाइल सीट भवानीपुर में सुरक्षा बलों ने तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी और निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी को उस वक्त चेतावनी दी जब वे मतदान केंद्र के पास कुछ लोगों के साथ बैठे थे। उधर, इसी विधानसभा क्षेत्र के कालीघाट में शुभेंदु अधिकारी बूथों का दौरा करने पहुंचे, तब वहां मौजूद तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें घेरकर 'चोर-चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके जवाब में भाजपा समर्थकों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाए। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी से कालीघाट रोड और हरीश मुखर्जी रोड के मोड़ पर माहौल गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख शुभेंदु अधिकारी ने वहीं से चुनाव आयोग को शिकायत की और फोन कर केंद्रीय बल बुलाने की बात कही। कुछ ही मिनटों में बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंच गए। हालात को काबू में करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

10वीं की परीक्षा में लड़कियों ने फिर दिखाया दम

96.26 प्रतिशत के साथ लड़कों से रहीं आगे

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई तेलंगाना) ने बुधवार को माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (एसएससी)-कक्षा 10वीं की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। घोषित नतीजों के आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष रेगुलर उम्मीदवारों का उत्तीर्णता प्रतिशत 95.15 रहा, जो कि पिछले साल की

तुलना में बेहतर है। पिछले साल 10वीं की परीक्षा में 92.78 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए थे। बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (बीएसई) के अनुसार, मार्च-अप्रैल में आयोजित हुई परीक्षाओं में कुल 5,16,815 रेगुलर छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 4,91,774 छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। रेगुलर लड़कों का पासिंग प्रतिशत 94.07 है, जबकि लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.26 दर्ज किया गया है। पिछले साल रेगुलर लड़कों का उत्तीर्णता प्रतिशत 91.32 था, जबकि लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत 94.26 था।

सरकार के सलाहकार डॉ. के केशवा राव ने बुधवार को शिक्षा सचिव योगिता राणा और स्कूल शिक्षा निदेशक ई नवीन निकोलस की मौजूदगी में नतीजे जारी किए। जिलों में, मुलुगु 99.30 फीसदी पास प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर रहा। नागरकुरनूल दूसरे और निर्मल तीसरे स्थान पर रहा, जिनका पास प्रतिशत 99.03 और 98.96 रहा।

आसाराम को हाईकोर्ट से मिली राहत, अंतरिम जमानत 25 मई तक बढ़ी

एजेंसी

जोधपुर। यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने मेडिकल आधार पर आसाराम की अंतरिम जमानत 25 मई तक अथवा अपील पर अंतिम निर्णय आने तक बढ़ाने का आदेश दिया। आसाराम ने बढ़ती उम्र, गंभीर बीमारियों और लंबे समय से चल रहे उपचार का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने की मांग की थी। यह याचिका कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की खंडपीठ के समक्ष पेश की गई। आसाराम के पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत और अधिवक्ता यशपाल सिंह राजपुरोहित ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट में कहा कि आसाराम वर्ष 2013 से जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं और 2018 में दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद गत वर्ष भी तीन बार अंतरिम जमानत बढ़ाई जा चुकी है। वर्तमान में आसाराम 29 अक्टूबर 2025 से अंतरिम जमानत पर बाहर रहकर इलाज करवा रहे हैं। वकीलों ने तर्क दिया कि यदि जमानत अवधि आगे नहीं बढ़ाई तो उपचार अधूरा रह जाएगा। उसे पुनः जेल में सरेंडर करना पड़ेगा। यह भी बताया कि सजा के खिलाफ दायर अपील पर 20 अप्रैल 2026 को सुनवाई पूरी हो चुकी है। अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

भवानीपुर में रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान हुआ: सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि इस सीट पर रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान हुआ है। सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में 90 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले हैं। यह एक रिकॉर्ड है। 2021 में, यहां मतदाताओं की भागीदारी 82 प्रतिशत थी, 2024 में, यह 78 प्रतिशत थी। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि 4-5 पुरुषों ने बुर्का पहनकर वार्ड 77 के कुछ बूथों पर फर्जी वोट डाले। जब मैंने बांग्लादेशी मुसलमानों को बूथ पर कब्जा करने से रोका तो उन्होंने मेरे सामने 'जय बांग्ला' के नारे लगाए और भाग गए। उन्होंने कहा कि भवानीपुर के कुछ बूथों पर मतदाता कतार में खड़े थे, लेकिन पर्ची वितरण पूरा होने के बाद शाम 6 बजे प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया है। हमारे कंट्रोल रूम और बैक ऑफिस से हमें जानकारी मिली है कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में 90 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया है, जो भवानीपुर विधानसभा के गठन के बाद से एक रिकॉर्ड है।

जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली जरूरी: ओम बिरला

'वन और वन्यजीवों का संरक्षण तभी संभव है जब इनसे जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो।'

एजेंसी

देहरादून। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सतत विकास व पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों - सरकारी संस्थानों, पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों, वन पंचायतों तथा नागरिकों की संयुक्त एवं सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का सम्मान करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता और राष्ट्रीय प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। बुधवार को नैनीताल स्थित डॉ. रघुनंदन सिंह टोलिया प्रशासनिक अकादमी में वन पंचायत प्रतिनिधियों व त्रिस्तरीय पंचायत व स्थानीय शहरी निकाय के निर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि उत्तराखंड की वन पंचायतें सामुदायिक भागीदारी आधारित वन प्रबंधन का एक सफल मॉडल बनकर उभरी हैं, जो न केवल वन संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान दे रही हैं,

बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर उनके अनुभव, चुनौतियों और सुझावों को भी सुना। वन पंचायतों को 'भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे सशक्त कड़ी' बताते हुए बिरला ने कहा कि जमीनी स्तर की संस्थाएं संरक्षण और सुशासन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वन पंचायत से संवाद करना मेरे लिए लोकतंत्र की सबसे सशक्त कड़ी से मिलने जैसा है। उन्होंने कहा कि यहाँ की पंचायतों का अनुभव दिल्ली की पंचायत से कम नहीं है।

जल, जंगल और जमीन के पारस्परिक संबंध को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ये प्राकृतिक संसाधन पारिस्थितिक संतुलन और मानव जीवन के आधार हैं। इनका संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सामूहिक दायित्व है, जिसके लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय विरासत की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह राज्य मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने स्थानीय समुदायों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि जल और वृक्षों के प्रति श्रद्धा जैसी परंपराएं आज भी सतत जीवनशैली का मार्गदर्शन कर रही हैं। राज्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में वन संसाधनों के दोहन के विरुद्ध स्थानीय समुदायों ने प्रभावी प्रतिरोध किया। 1930 के दशक से वन संरक्षण, सुरक्षा और अधिकारों के लिए निरंतर कानून एवं नीतिगत प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में शेष चुनौतियों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

असम एग्जिट पोल 2026: असम में फिर भाजपा की वापसी

126 में से 88 से ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्य असम में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल सामने आ गया है। शाइनिंग इंडिया के सर्वे में भाजपा की सरकार बनती नजर आ रही है। शाइनिंग इंडिया के सर्वे में भाजपा को 126 में से 88 प्लस सीटें मिलने की उम्मीद है। वहीं, कांग्रेस को लगभग 31 सीटें, यूडीएफ को लगभग 4, और अन्य को 3 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं, 19 सीटों पर नजदीकी मुकाबला बताया गया है। शाइनिंग इंडिया के सर्वे के अनुसार, अगर वोट प्रतिशत की बात करें तो भाजपा को 45.8 प्रतिशत मिल सकता है। वहीं, कांग्रेस को 37.5 प्रतिशत, यूडीएफ को 3.6 प्रतिशत, और अन्य को 8.9 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, जबकि 4.2 प्रतिशत वोटों को साइलेंट बताया गया है। बता दें कि असम में 9 अप्रैल को 126 सीटों पर एक चरण में मतदान हुआ था। चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और मतदान प्रतिशत 85.38 दर्ज किया गया। हालांकि, राज्य में हुए भारी मतदान को कांग्रेस ने बदलाव बताते हुए जीत का संकेत दिया था। पिछले विधानसभा चुनाव 2021 के नतीजों की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी ने 126 में से 60 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, कांग्रेस ने 29 सीटें हासिल की थीं।

इस तरह से भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को कुल 76 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस की अगुवाई वाले गठबंधन को 49 सीटें मिली थीं। राज्य में बहुमत का जादुई आंकड़ा 64 है। असम विधानसभा चुनाव से जुड़े ये आंकड़े केवल सर्वेक्षण और अनुमान पर आधारित हैं और इनका चुनावी नतीजों से कोई सरोकार नहीं है। चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित होंगे, जिसके बाद ही तस्वीर साफ हो सकेगी।

राजस्थान में गर्मी के चलते ट्रेन के ब्रेक में आग: एमपी में कूलर के साथ निकाली बारात

यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश, बिहार में भी यही हाल

एजेंसी

गंगटोक । देश के कई शहर हीटवेव की चपेट में हैं। ज्यादातर हिस्सों में तापमान 40-46°C के बीच है। मध्य प्रदेश के देवास में गर्मी से बचने के लिए 20 कूलर के साथ बारात निकाली गई। राजस्थान के धौलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के एक जनरल कोच के निचले हिस्से में आग लग गई। रेलवे के सूत्रों के मुताबिक, गर्मी के कारण ब्रेक पैडल वाले हिस्से में आग लगी थी। यूपी का बांदा 45.6°C तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में 45.3°C से ज्यादा तापमान रहा। यहां लू सेंटर बनाए जा रहे हैं, जहां ठंडा पानी और ग्लूकोज

का इंतजाम होगा। यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश हुई। प्रयागराज और आगरा समेत 6 जिलों में बुधवार को ओले गिरे। इससे पहले प्रयागराज में गर्मी और लू को देखते हुए जगह-जगह वाटर ATM लगाए गए। IMD के मुताबिक 17 राज्यों में भी आंधी-बारिश हो सकती है। यूपी, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 60kmph की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

बंगलूरू में बारिश का कहर: अस्पताल की दीवार गिरने से सात लोगों की मौत, सीएम सिद्धारमैया ने किया मुआवजे का एलान

एजेंसी

बंगलूरू। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में बुधवार शाम हुई भारी बारिश और तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई है। शहर के शिवाजीनगर इलाके में स्थित बोवरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक विशाल चारदीवारी अचानक ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम सात लोगों की जान चली गई है। मलबे के नीचे दबने से कई अन्य लोग घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि डॉक्टरों ने घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई है। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासनिक अमला और बचाव टीमें मौके पर पहुंच गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मरने वालों में ज्यादातर सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी लगाने वाले दुकानदार और वहां से गुजर रहे राहगीर शामिल हैं। शाम के वक्त अचानक शुरू हुई तेज बारिश और हवाओं के कारण दीवार का ढांचा दबाव नहीं झेल सका और गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बारिश इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और मलबे को हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है।

मुख्यमंत्री ने मुआवजे के तौर पर मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये देने का एलान किया है। शहर में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

पश्चिम बंगाल एग्जिट पोल: कई सर्वे में भाजपा को बढ़त, कुछ में टीएमसी ने बनाए रखी टक्कर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान पूरा हो गया, जिसके बाद बुधवार शाम को एग्जिट पोल्स जारी कर दिए गए। पश्चिम बंगाल की 294 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 148 सीटों की जरूरत है, लेकिन अलग-अलग एजेंसियों के सर्वे में तस्वीर पूरी तरह बंटी हुई नजर आ रही है। कुछ एग्जिट पोल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सत्ता में वापसी दिखा रहे हैं, तो कुछ सर्वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पहली बार बंगाल में सरकार बनाते हुए बता रहे हैं। चाणक्य स्ट्रेटजी के एग्जिट पोल में तृणमूल कांग्रेस को 130 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 150 से 160 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य दलों के खाते में 6 से 10 सीटें जा सकती हैं। पीपुल्स पल्स के सर्वे में टीएमसी को 117 से 187 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। भाजपा को

95 से 110 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य को 1 से 4 सीटें मिलने की संभावना है।

मैट्रिज के एग्जिट पोल में टीएमसी को 125 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा 146 से 161 सीटों के साथ बढ़त में दिखाई गई है। अन्य दलों को 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं।

पी-मार्क के सर्वे में तृणमूल कांग्रेस को 118 से 138 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 150 से 175 सीटें मिल सकती हैं। अन्य दलों को 2 से 6 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। एबीपी न्यूज-सी वोटर के एग्जिट पोल में भी टीएमसी को 118 से 138 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 150 से 175 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य के खाते में 2 से 6 सीटें जा सकती हैं।

पोल डायरी के अनुमान के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में टीएमसी को 99 से 127 सीटें, भाजपा को 142 से 171 सीटें, कांग्रेस को तीन से पांच, लेफ्ट गठबंधन को दो से तीन और अन्य के खाते में एक सीटें जाने का अनुमान है।

मिजोरम: नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

करोड़ों की हेरोइन बरामद, कई गिरफ्तार

एजेंसी

आइजोल। मिजोरम पुलिस ने राज्यभर में नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। अब तक इस कार्रवाई के दौरान तीन करोड़ से ज्यादा की हेरोइन जब्त की गई है और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। ये सभी लोग सीमा पार से जुड़े तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सबसे पहली कार्रवाई 26 अप्रैल को की गई थी। तब 95.8 लाख की कीमत वाली 480 ग्राम हेरोइन बरामद की थी और असम के सुल्तान अहमद लस्कर (35) को भी गिरफ्तार किया था। इससे एक दिन पहले पुलिस ने इसी तरह की कार्रवाई में अब्दुल सोलम बरभुइया (27) को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इसके पास से 69.2 लाख रुपए की कीमत वाली 479 ग्राम हेरोइन जब्त की थी। जानकारी के मुताबिक, इससे पहले 24 अप्रैल को पुलिस ने 61.6 लाख रुपए की कीमत वाली 308 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने थांगरोखावली (42) को भी

गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए इन सभी लोगों में मुख्य रूप से म्यांमार से जुड़ा एक सप्लायर और आइजोल में हेरोइन लेने वाला एक स्थानीय व्यक्ति शामिल था। उसी दिन पुलिस ने 4.4 लाख की कीमत वाली 22 ग्राम हेरोइन जब्त की थी और दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया था। उधर, 24 अप्रैल को पुलिस ने नगोपा में 70.2 लाख की कीमत वाली 351 ग्राम हेरोइन और 21 अप्रैल को आइजोल में बरामद की थी। पुलिस के मुताबिक, इस कार्रवाई के दौरान अब तक जितने भी लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनसे इस बारे में विस्तार से पूछताछ की जा रही है।

साथ ही, पुलिस ने बताया कि अभी तक नशे की तस्करी के मामले में जो भी कार्रवाई की गई है, उससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि मिजोरम मौजूदा समय में नशे की तस्करी के लिए आम रास्ता बना हुआ है। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम राज्य में नशे की तस्करी को पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाए।

ई-रिक्शा से वोट डालने पहुंचीं महुआ मोइत्रा, बोलीं— लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान कर चुनाव को 'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई' बताया। नदिया जिले के करीमपुर गर्ल्स हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की। मोइत्रा ई-रिक्शा (टोटो) से मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें मोटरसाइकिल से आने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए उन्हें वैकल्पिक साधन का उपयोग करना पड़ा। मतदान के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार, 'करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और जो लोग सूची में हैं, वे इस बार 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। इसी वजह से मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता इस बार 'बदले की भावना' के साथ वोट कर रही है और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग को जवाब देगी। मोइत्रा ने इसे सीधे तौर पर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा। मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं। यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, 16 राउंड फायरिंग से दहशत

पुणे (एजेंसी)। पूना के देहूरोड इलाके में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज घटना में भाजपा कार्यकर्ता रमेश रेड्डी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सवाना चौक पर मौजूद रमेश रेड्डी पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने करीब 16 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली उनके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद देहूरोड क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

भाई की हत्या से जोड़कर देखी जा रही वारदात

मीडिया रिपोर्ट में प्राथमिक जानकारी से खुलासा हुआ है कि रमेश रेड्डी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उनका नाम कुछ विवादित गतिविधियों में भी सामने आता रहा है। मटका कारोबार से जुड़े होने की चर्चा भी है, हालांकि फिलहाल यह कारोबार बंद बताया जा रहा है। इस हत्या का संबंध पिछले वर्ष उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की मौत जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में हुई थी। उस मामले में आरोपी अभी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिली है। इसके बावजूद पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या किसी समझौते को लेकर विवाद इस नई घटना की वजह बना।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गईं और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने फ्लैट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हालांकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से बड़ी जनहानि टल गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग बुझाने के साथ ही प्रभावित बिल्डिंग को ठंडा करने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच में आग 9वीं मंजिल से शुरू होने की बात सामने आई है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या कोई कारण रहा अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

राजनाथ का बयान, आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को 'शर्मनाक क्लीन चिट'

अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी के इशारे पर दिया गया बयान

नागपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) के सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को ÷शर्मनाक क्लीन चिट÷ दे दी। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह रुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका को संतुष्ट करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण दिखाने की कोशिश हो रही है।

दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने एससीओ सम्मेलन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और अब आतंकवाद के केंद्रों को सजा से छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता और किसी भी प्रकार की शिकायत—चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक—आतंकवाद को सही ठहराने का आधार नहीं बन सकती।

रक्षा मंत्री सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और निर्देश पर दिया गया है और इस बयान से पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है, क्या वहां भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं, और क्या भारत-विरोधी विचारधारा को वहां बढ़ावा नहीं मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मुंबई आतंकी हमला 2008 और पहलगाम से जुड़े आतंकी हमलों की साजिश में भी पाकिस्तान से जुड़े तत्वों की भूमिका रही है।

कांग्रेस नेता ने तुलना की कि यह स्थिति जून 2020 जैसी है, जब भारत-चीन तनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उनके अनुसार, उस समय भी चीन को ÷क्लीन चिट÷ देने का आरोप लगा था। कुल मिलाकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कमजोर रुख अपनाने का आरोप लगाया है, जबकि मोदी सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बंगाल चुनाव : बीजेपी के ईवीएम बटन पर टेप लगाया, सुवेंदु चोर के लगे नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण की 142 सीटों पर मतदान जारी है। दोपहर एक बजे तक 61.11फीसदी वोट डाले जा चुके थे। वोटिंग के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं सामने आई। बीजेपी का आरोप है कि डायमंड हार्बर के फाल्टा में ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप लगाकर ब्लॉक किया गया। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा चुनाव होंगे।

फाल्टा में सुरक्षाकर्मियों ने हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर उनकी कार का शीशा तोड़ने का आरोप लगाया। उनके सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनने की कोशिश भी की गई। वहीं भवानीपुर में सीएम ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर टीएमसी समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु पोलिंग बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93फीसदी मतदान हुआ है। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी एक विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बूथों पर ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पूरे विधानसभा क्षेत्र में ही दोबारा मतदान कराया जाएगा। आरामबाग से टीएमसी सांसद मिताली बाग व्हीलचेयर पर वोट देने पहुंची। 27 अप्रैल को मिताली बाग ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कार पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लोगों की भीड़ देख साफ हो गया कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा

-बीजेपी नेता मिथुन ने डाला वोट कहा-बंगाल में बदलाव की आने वाली है बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में बुधवार को सात जिलों की 142 सीटों पर सुबह से ही मतदान जारी है और आम लोगों से लेकर मंत्री और सांसद भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। इसी बीच अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती भी अपना वोट डालने पहुंचे और साफ किया कि इस बार बंगाल में बदलाव की बाढ़ आने वाली है। वोट देने के बाद मिथुन ने विश्वास दिलाया कि चुनाव पूरे निष्पक्ष तरीके से हो रहे हैं और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। वोटिंग शेयर बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोगों की भीड़ देख रहा हूं, उससे साफ है कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा और वोटिंग 90 फीसदी से भी ज्यादा होगी। अगर ऐसा हुआ तो समझ लेना परिवर्तन होने वाला है, लेकिन जीत की घोषणा होने से पहले मैं कुछ नही कहूंगा क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती भले ही इस बार चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि फिलहाल वे चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। मिथुन लगातार मंचों से टीएमसी पर जमकर निशाना साध रहते रहे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर बंगाल में दोबारा टीएमसी आ जाती है तो उनका और बाकी हिंदुओं का बंगाल में रहना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें अपने रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अपने हालिया बयान में अभिनेता ने टीएमसी पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया था। बंगाल में मछली-मांस बंद करने के आरोपों को खारिज करते हुए मिथुन ने कहा कि देश के कई राज्य हैं, जहां मछली-मांस खाया जा रहा है। देश में विशेष और धार्मिक पशु गाय के मांस को बेचने और खाने पर पाबंदी है। किसी भी राज्य में मछली-मांस खाने पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है। टीएमसी के पास कोई और तरीका नहीं बचा है और वे अब भ्रामक प्रचार फैलाकर जनता को परेशान करना चाहती है।

तुर्की के दुश्मन देश ग्रीस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाने में जुटा भारत

ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट बंदरगाह भारतीय कंपनी को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के दोस्त देश ग्रीस से एक बड़ी खबर सामने आई है। ग्रीस का वहां बंदरगाह जो पूरे यूरोप की धड़कन कहा जाता है। अब भारत की मुट्ठी में आने वाला है। खबर है कि ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट अब एक भारतीय कंपनी के अधिकार क्षेत्र में है। भारत की दिग्गज कंपनी बंदरगाह पोलीपोट को खरीदने या इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने ग्रीस सरकार के साथ बातचीत कर रही है। यह डील सिर्फ बिजनेस के लिहाज से नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को सात समंदर पार स्थापित करने के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है। पोलीपोर्ट की अहमियत को समझने के लिए इसकी लोकेशन बहुत जरुरी है। यह बंदरगाह बुल्गारिया, रोमानिया और यूक्रेन जैसे देशों के बिल्कुल करीब है। जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है। तब से यह पोर्ट पूरे यूरोप के लिए लाइफ लाइन बन गया है। नाटो देशों के टैंक हो, हथियार हो या फिर अनाज और गैस की सप्लाई हो सब कुछ इसी रास्ते से यूरोप के अंदर जा रहा है। और इसकारण कल तक जिस बंदरगाह को ग्रीस सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताकर बेचने से रोक दिया था। आज वहीं इसकी चाबी भारत को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सबसे बड़ा एंगल चीन और

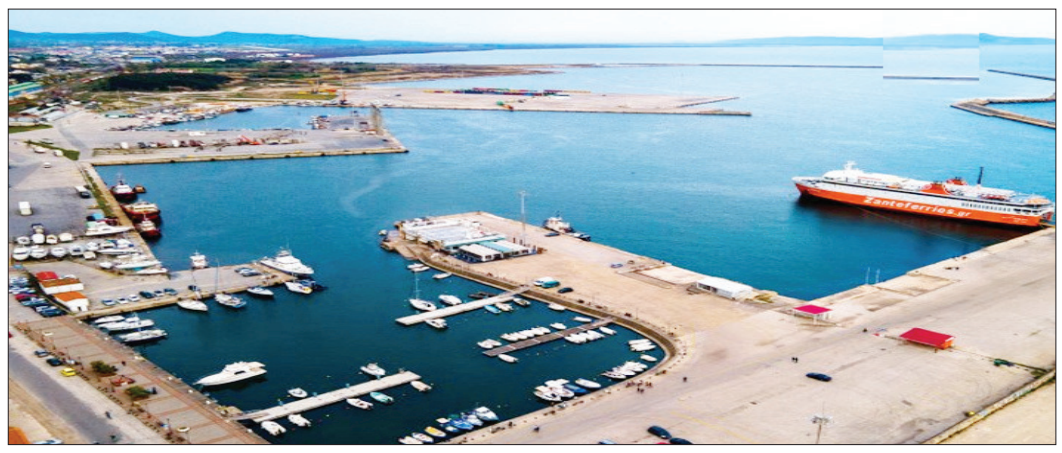

तुर्की का है। ग्रीस का सबसे प्रमुख बंदरगाह पीरियस वर्तमान में पूरी तरह चीन की कंपनी कॉस्को के नियंत्रण में है। ग्रीस और बाकी यूरोपीय देश इस बात को लेकर परेशान है कि अगर उनके सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर चीन का कब्जा रहा, तब भविष्य में उनकी स्वायत्ता खतरे में आ सकती है। भारत की एंट्री ने ग्रीस को एक भरोसेमंद विकल्प दिया है। भारत की छवि एक इसतरह के देश की है जो बिजनेस करता है लेकिन दूसरे देशों की जमीन या संप्रभुता पर कब्जा नहीं करता। वहीं तुर्की की ग्रीस से दुश्मनी किसी से नहीं छुपी और जब तुर्की पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है। भारत का ग्रीस में होना तुर्की को बहुत खटकने वाला। भारत के लिए यह बंदरगाह एक गोल्डन गेट की तरह है क्योंकि भारत काफी समय से इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर आईएमसी पर काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के सामान को अरब देशों के रास्ते सीधे यूरोप पहुंचाना है।

एलेक्जेंड्रो पोलीपोट कॉरिडोर का वहां आखिरी पड़ाव हो सकता है जहां से भारतीय माल पूरे यूरोप के बाजारों में फैल जाएगा। इससे ना सिर्फ भारत का निर्यात बढ़ेगा बल्कि स्वेज नहर जैसे रास्तों पर भारत की निर्भरता भी कम हो जाएगी। वहीं पोर्ट पर भारत का होना मतलब यूरोप की सप्लाई चेन और सुरक्षा के समीकरणों में भारत की परमानेंट सीट पक्की होगी। ग्रीस कैन रिपोर्ट्स पर जहां रूस और अमेरिका जैसे देशों की नजरें टिकी हैं। वहीं एलेक्जेंड्रो पोली में भारत की दावेदारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। यह डील भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा है जिसमें हम सिर्फ अपने पड़ोस तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

'डिजिटल अरेस्ट' पर सख्ती: ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खाते ब्लॉक करने की तैयारी

सिम सत्यापन से लेकर बैंकिंग निगरानी तक कड़े उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर ठगी के मामलों पर अब केंद्र की मोदी सरकार ने सख्त रुख दिखाया है। इस बढ़ते खतरे को देखकर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने सहित कई कड़े कदमों का खाका तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, समस्या से निपटने के लिए दूरसंचार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों को एक साथ काम करने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

दूरसंचार क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में देखने को मिलेगा। मोदी सरकार 'बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली' को अनिवार्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे फर्जी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर रोक लग सके। इसके अलावा, सिम सक्रियण से जुड़े पॉइंट ऑफ सेल (पीएसओ) एजेंटों के लिए भी कड़े सत्यापन और जवाबदेही नियम लागू किए जाएंगे।केंद्र की सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट में प्रस्ताव है कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सिम कार्डों को तुरंत ब्लॉक करे। साथ ही, दूरसंचार कंपनियों को जांच एजेंसियों के साथ रियल-टाइम डेटा साझा करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि अपराधियों तक तेजी से पहुंचा जा सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी मोदी सरकार सतर्क है। रिपोर्ट में व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के लिए 'सिम-बाइंडिंग' और उन्नत सुरक्षा तंत्र लागू करने की बात की गई है। इसके तहत संदिग्ध कॉल्स और लंबी धोखाधड़ी वार्ताओं की पहचान कर उन्हें रोका जा सकेगा। साथ ही, स्कैम में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में, मोदी सरकार ने बैंक खातों पर तत्काल कार्रवाई के लिए नई व्यवस्था सुझाई है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने का प्रावधान लागू किया जाएगा। इससे धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम में अपराधी खुद को पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और जुर्माना या सुरक्षा फीस के नाम पर पैसे ठगते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में इस तरह के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसका शिकार आम नागरिकों से लेकर अधिकारी और बुजुर्ग तक हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाई

-नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके वकील यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि आसाराम का इलाज

अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर किया था। बता दें नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत दी गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर वकील ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

क्रूड ऑयल की किल्लत से अब भारत में सड़क बनाना भी हुआ मुश्किल

-ईरान ने होर्मुज को कर रखा है बंद तो अमेरिका ने कर रखी है नाकाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका की बीच दूसरे चरण की वार्ता ना होने से तेल बाजार एक बार फिर उछाल आया। एक उम्मीद जगी थी कि शायद जल्द ही होर्मुज खुल जाए। हालांकि अब इसका कोई रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में ब्रेंट ऑइल की कीमतें 2.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 107.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान की तरफ से ट्रंप के सामने एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसमें कहा गया है कि होर्मुज खोलने को लेकर पहले बात होनी चाहिए और परमाणु मुद्दे पर बात बाद में भी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो अमेरका और ईरान के बीच युद्धविराम चल रहा है लेकिन होर्मुज का रास्ता अब भी बंद है। एक तरफ अमेरिका ने नाकेबंदी कर रखी है। इसी वजह से ईरान भी होर्मुज को खोलने को तैयार नहीं है। इसके चलते उर्वरक, प्राकृतिक गैस, फ्यलू और कच्चे तेल की सप्लाई ठप हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर स्थितियां ऐसी ही बनी रहीं तो आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतों में और इजाफा होगा। वहीं पेट्रोल और डीजल की किल्लत बढ़ सकती है।

लाइव लॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऊंची तेल कीमतें सबसे अहम आर्थिक कारक हैं, क्योंकि इससे महंगाई, रुपए और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से यूपी में सड़कों के निर्माण के लिए डामर (बिटुमिन) का संकट गहरा गया है। इसका असर हमीरपुर जिले में लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजनाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। कई सड़कें अधर में लटक गई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर क्रूड ऑयल से तैयार होता है और भारत में इसके लिए ईरान समेत अन्य देशों से कच्चे तेल का आयात किया जाता है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से इसकी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

उन्होंने बताया कि जब ठेकेदारों ने टेंडर डाले थे, उस समय डामर की कीमत करीब 42 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन थी, लेकिन अब जीएसटी समेत यह बढ़कर करीब एक लाख रुपए प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। डामर की कीमतों में इस भारी वृद्धि से ठेकेदारों में हड़कंप मचा है।

शाहजहांपुर में बेटे के जन्म से एक घंटा पहले पिता की मौत, हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर नगरिया चौकी स्थित एक पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार रात ट्रक की टक्कर लगने से तिलहर थाना क्षेत्र के रोशनपुर गांव निवासी बाइक सवार मनोज (27 वर्ष) की मौत हो गई। इसके एक घंटे बाद तिलहर के निजी अस्पताल में मृतक की पत्नी सरस्वती ने बेटे को जन्म दिया। गम और खुशी के इस माहौल में हर किसी की आंख से आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मृतक के पिता सेवाराम ने बताया कि बेटे मनोज की शादी करीब पांच साल पूर्व सरस्वती से हुई थी। बहू गर्भवती थी। शुक्रवार रात प्रसव पीड़ा होने पर बेटा बहू को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज गया। वहां सरस्वती को भर्ती नहीं किया गया। स्टाफ ने डॉक्टर न होने की बात कही। कहा कि ऑपरेशन होगा, लेकिन इस समय यहां कोई डॉक्टर नहीं है। इसके बाद बेटे ने कार बुक की। मनोज ने पत्नी को तिलहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने के लिए परिवार की महिलाओं के साथ कार से भेज दिया। वह खुद पीछे बाइक से चल दिया। बेटे मनोज के साथ दूसरी बाइक से बड़ा बेटा रमेश भी तिलहर की ओर जा रहा था। दोनों की बाइकें काफी दूरी पर थीं। सेवाराम ने बताया कि रात करीब 12 बजे नगरिया मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के पास किसी वाहन की टक्कर लगने से मनोज बाइक से काफी दूर जाकर गिरा। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे चल रहे बेटे रमेश के जरिये हादसे की जानकारी हुई। सीओ ज्योति यादव ने बताया कि युवक की मौत के मामले में हादसा किस वाहन से हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में रात के समय काफी अव्यवस्था रहती है। खासतौर पर महिला अस्पताल में अधिकारियों के निगरानी न करने से डॉक्टर ड्यूटी से नदारद रहते हैं। बहुत इमरजेंसी पड़ने पर कॉल करने पर उपलब्ध होते हैं। ऐसे में स्टाफ भी मरीजों को टरकाता रहता है। सेवाराम ने बताया कि बेटे की मौत के एक घंटे बाद बहू ने ऑपरेशन से एक बेटे को जन्म दिया है। बहू को बेटे की मौत की जानकारी नहीं दी गई है। कुछ समझ में नहीं आ रहा कि यह बात बहू को कैसे बताएं, लेकिन बहू बार-बार अपने पति के बारे में पूछ रही है। सेवाराम ने इस हादसे का जिम्मेदार मेडिकल कॉलेज को भी ठहराया है। उनका कहना है कि अगर बहू को भर्ती कर लिया जाता तो शायद यह हादसा टल जाता। इतना बड़ा अस्पताल और कोई सुविधा नहीं। बेटा करीब एक घंटा बहू को लिए मेडिकल कॉलेज में ही रहा। वहीं, मृतक के शव को देख मां रामजानकी, भाई रमेश व रामवीर का रो-रोकर हाल बेहाल हो गया है।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर खेत में गिरा

चंदौसी (संभल)। गुन्नौर क्षेत्र के गांव सैजना मुस्लिम में शनिवार को फसल की रखवाली कर रहे किसान भूरे सिंह (55) की खेत में टूट कर गिरे हाईटेंशन लाइन से करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद दिलाने की मांग की है। किसान भूरे सिंह का गांव से चार किलोमीटर की दूरी पर खेत है। इसमें सरसों की फसल लगी है। सुबह चार बजे वह खेत पर बने मचान पर सो रहे थे। उसी समय मचान के पास से होकर जा रही हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर खेत पर बनी तारकशी के ऊपर जा गिरा। इससे तारकशी में करंट दौड़ गया और घास फूस में आग लग गई। आग जलने की आवाज सुन कर किसान की आंख खुल गई। वह मचान से नीचे उतर कर आए। इसी दौरान उनका हाथ तारकशी से टच हो गया। जिससे करंट की चपेट में आकर किसान भूरे सिंह की तड़प कर मौत हो गई।

19-20 वर्ष की आयु में ही हो रही शुरुआत, सामने आई गंभीर चेतावनी

नई दिल्ली। देश में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक गंभीर चेतावनी सामने आई है। यही नहीं, करीब 60 प्रतिशत मानसिक विकार 35 वर्ष से कम उम्र के लोगों में पाए जा रहे हैं। यह जानकारी नई यशोभूमि में इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी की ओर से आयोजित चार दिवसीय (एएनसीआईपीएस 2026) 77वें सम्मेलन के दौरान दी गई। सम्मेलन में मौजूद विशेषज्ञों ने कहा कि मानसिक बीमारियां अब केवल बुजुर्गों की समस्या नहीं रहीं, बल्कि किशोरों और युवाओं को तेजी से प्रभावित कर रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, मानसिक रोगों की शुरुआत अक्सर 19-20 वर्ष की उम्र में ही हो जाती है। विशेषज्ञों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय और भारतीय अध्ययनों के अनुसार, लगभग 35 प्रतिशत मानसिक विकार 14 वर्ष की उम्र से पहले होते हैं। इसके अलावा, 48 प्रतिशत 18 वर्ष से पहले और 60 प्रतिशत से अधिक 25 वर्ष की उम्र तक शुरू हो जाते हैं। इसका सीधा असर बच्चों और युवाओं की पढ़ाई, करियर, रिश्तों और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ता है। सम्मेलन में यह भी बताया गया कि एडीएचडी, एंग्जायटी और खाने से जुड़ी मानसिक बीमारियां अधिकतर 25 वर्ष की उम्र तक सामने आ जाती हैं, जबकि डिप्रेशन, नशे की लत और व्यवहार संबंधी समस्याएं अब पहले की तुलना में कम उम्र में ही देखी जा रही हैं। इस दौरान एएनसीआईपीएस के आयोजन में सचिव डॉ. दीपक रहेजा ने कहा कि जब देश के 60 प्रतिशत मानसिक रोग युवा वर्ग को प्रभावित कर रहे हैं, तो यह एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और समय पर पहचान अब बेहद जरूरी हो गई है। सम्मेलन में युवाओं में आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर भी चिंता जताई गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, आत्महत्या अब 15 से 29 वर्ष के युवाओं में मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। विशेषज्ञों ने इसका कारण पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, अकेलापन, नशा और भावनात्मक तनाव बताया। डॉ. निमेश देसाई ने कहा कि यदि मानसिक बीमारियों का समय पर इलाज न हो, तो ये जीवन भर बनी रह सकती हैं। ऐसे में इसका असर व्यक्ति, परिवार व समाज सभी पर पड़ता हैं। वहीं, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. सविता मल्होत्रा ने कहा कि युवाओं की बदलती जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को आसान, सुलभ और बिना भेदभाव के बनाना होगा। डॉ. टीएसएस राव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि देश के भविष्य में निवेश है। अगर युवा मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं होंगे, तो भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभ का पूरा उपयोग नहीं कर पाएगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि भारत में मौजूदा समय तक भी 70-80 प्रतिशत मानसिक रोगियों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है।

डेथ स्पॉट की छवि से बाहर आएगा सिग्नेचर ब्रिज

नई दिल्ली। राजधानी में यमुना नदी पर बना सिग्नेचर ब्रिज लंबे समय से आत्महत्या की घटनाओं को लेकर चर्चा में रहा है। अब इस डेथ स्पॉट की छवि बदलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ब्रिज का रखरखाव लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपने हाथ में ले लिया है। इसके साथ ही पुल पर सुरक्षा के लिहाज से गार्डों की तैनाती भी शुरू हो गई है। बताया जा रहा कि आने वाले दिनों में आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाए जाएंगे। दरअसल, वर्ष 2019 से अब तक सिग्नेचर ब्रिज से यमुना में कूदकर 26 लोग आत्महत्या कर चुके हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं के पीछे सबसे बड़ी वजह पुल के दोनों ओर सुरक्षा जाल का न होना माना जाता रहा है।

शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतारा

कानपुर। कल्याणपुर में शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतार दिया। नशे में धुत चाचा ने भतीजे से दो तीन बार पैसे की मांग की जब भतीजे ने पैसे देने से मना किया तो उसने भतीजे पर ईंट से हमला कर दिया। इसी दौरान भतीजे ने भी उस पर ईंट से कई वार कर दिए। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। कुछ दिन पहले काम छोड़ दिया था। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया गया। कल्याणपुर के नानकारी में बीते मंगलवार शाम को सोनू बाल्मिक (30) की बारासिरोही में एक खाली प्लॉट में खून से लथपथ हालत में पड़ा था। सोनू एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। हमलावर उसे मरा समझकर मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। बुधवार सुबह क्रिकेट खेल रहे बच्चों ने घायल सोनू को पड़ा देखा, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजन सोनू को हैलट ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता रामवीर ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वारदात को सोनू के मुंहबोले भतीजे अतुल वाल्मीकि ने अंजाम दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सोनू को लंबे समय से जानता था। उसे चाचा कहता था। मंगलवार शाम दोनों की मुलाकात शराब की दुकान पर हुई थी। सोनू ने गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता रामवीर ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वारदात को सोनू के मुंहबोले भतीजे अतुल वाल्मीकि ने अंजाम दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सोनूशराब पीने के लिए पैसे मांगे, जिसे देने से उसने इनकार कर दिया। इस पर सोनू गाली-गलौज करते हुए पास के खाली प्लॉट में जाकर बैठ गया। जब वह वहां पहुंचा तो सोनू ने फिर गालियां दीं। इसके बाद ईंट से हमला कर दिया। उसके बाद आक्रोश में अतुल ने भी पास में पड़ी ईंट से सोनू के सिर पर कई वार कर दिए। खून बहता देख वह घबरा गया और मौके से फरार हो गया था। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच में शराब को लेकर अतुल वाल्मीकि से विवाद की बात सामने आई थी।जिसके बाद अतुल वाल्मीकि को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है और उसे जेल भेज दिया गया।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पार्टी करते हुए संदिग्ध हालत में तीसरी मंजिल से गिरने से युवक की मौत

नई दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में अपने दोस्त के घर पार्टी कर रहा युवक संदिग्ध हालत में तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया। घायल अवस्था में भविष्य (25) को उसका दोस्त वंश अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिवार भी अस्पताल आ गया। भविष्य के परिजनों ने दोस्तों पर उसे धक्का देकर मारने का आरोप लगाया है। फिलहाल पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड की मांग की गई है। मंगलवार को मेडिकल बोर्ड शव का पोस्टमार्टम करेगा। वहीं पुलिस भविष्य के चार दोस्तों वंश, ललित, नितेश तोमर और कनिष्क से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक भविष्य परिवार के साथ रेलवे रोड, आजादपुर में रहता था। वह निजी कंपनी में नौकरी करता था। रविवार शाम को छुट्टी की वजह से दोस्तों ने पार्टी करने का मन बनाया था। भविष्य के अलावा उसके तीन दोस्हों वंश, कनिष्क और नितेश लाल बाग निवासी ललित के घर पहुंचे। सभी तीसरी मंजिल की छत पर पार्टी करने लगे। इस बीच भविष्य किसी तरह तीसरी मंजिल से नीचे गली में गिर गया। भविष्य के नीचे गिरते ही सभी दोस्त नीचे भागे। बाकी दोस्त तो डर गए। वंश उसको लेकर अस्पताल भागा, लेकिन वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिवार का कहना था कि यदि बाकी दोस्तों ने ऐसा नहीं किया तो वह अस्पताल क्यों नहीं आए। दोस्तों पर शक जताते हुए परिवार ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

शाहरुख को गाड़ी में डालकर ले गए बदमाश

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ स्थित थाना सिविल लाइन इलाके में दिनदहाड़े एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां तस्वीर महल स्थित साईं ढाबा के पास से एक अकाउंटेंट का तमंचे के बल पर अपहरण कर लिया गया। अपहरण की यह पूरी घटना लाइव वीडियो में कैद हो गई, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित अकाउंटेंट शाहरुख को अल-दुआ मीट फैक्टरी के परिसर से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने मौके से आरोपी ठेकेदार जीशान को हिरासत में ले लिया है। साथ ही, वारदात में इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, जो फैक्टरी स्वामी हाजी जहीर के नाम पर दर्ज बताई जा रही है। पीड़ित अकाउंटेंट शाहरुख ने ठेकेदार जीशान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शाहरुख के अनुसार ठेकेदार उससे अकाउंट से संबंधित अवैध काम जबरन कराना चाहता था। मना करने पर उसे डराया-धमकाया जा रहा था। शाहरुख के पिछले काम के करीब 22 हजार रुपये बकाया थे। आरोपी ने बकाया पैसे देने के बहाने उसे बुलाया और फिर तमंचे के बल पर कार में डालकर ले गया। इस मामले में पीड़ित शाहरुख और उसके भाई ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए थाना सिविल लाइन में तहरीर दी है। पुलिस वायरल वीडियो और बरामद साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

ट्रांसपोर्टर की नाक पर हाथ लगने से विवाद, ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के तिलपता गांव में एक ट्रांसपोर्टर ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत पुलिस से की है। मामला सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद डीसीपी ट्रैफिक प्रवीण रंजन सिंह की ओर से संज्ञान लिया गया है। मामले की जांच एसीपी ट्रैफिक को सौंपी गई है। इस पूरे मामले में ट्रैफिक पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक भागवत नामक एक ट्रांसपोर्टर अपने (पिकअप) से तिलपता की ओर जा रहा था। नागर डेयरी के समीप यातायात अधिक होने पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से एक तरफ के यातायात को रोका गया था। इसी दौरान पीछे से ट्रांसपोर्टर अपने वाहन के साथ आगे आ गया। ट्रैफिक पुलिसकर्मी का यातायात को रोकने के दौरान किया गया हाथ ट्रांसपोर्टर को लग गया। अचानक से हाथ लगने से ट्रांसपोर्टर की जा रही है। जानकारी के मुताबिक भागवत नामक एक ट्रांसपोर्टर अपने (पिकअप) से तिलपता की ओर जा रहा था। नागर डेयरी के समीप यातायात अधिक होने पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से एक तरफ के यातायात नाक से खून निकलने लगा। आरोप है कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से गलती मानने के बजाए ट्रांसपोर्टर से अभद्रता की गई है। इस बात से नाराज ट्रांसपोर्टर अपने साथियों के साथ चौकी पहुंच गया। ट्रांसपोर्टर के अपने साथियों के साथ सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के अधीन तिलपता चौकी पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया सामने आया है। वहीं ट्रैफिक इंस्पेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि यातायात संचालन के दौरान गलती से यातायात सिपाही का हाथ ट्रांसपोर्टर को लग गया था। पिटाई के आरोप निराधार है।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

NAME CHANGE

I, JADHAV ANKUSH ANNA is legally father of No. 15750241P Rank-SIGMN, Name- JADHAV AKSHAY ANKUSH R/o VILL-KANKATRE, PO-MAYANI, TEH-KHATAV, DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415102 have changed my name from JADHAV ANKUSH ANNA to ANKUSH ANNA JADHAV for all future purposes. Vide Affidavit Dated 29/04/2026 before Notary Public New Delhi India.

NAME CHANGE

I, ASHA is legally mother of No. 15750241P Rank-SIGMN, Name- JADHAV AKSHAY ANKUSH R/o VILL-KANKATRE, PO-MAYANI, TEH-KHATAV, DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415102 have changed my name from ASHA and ASHA ANKUSH JADHAV for all future purposes. Vide Affidavit dated 29/04/2026 before Notary Public New Delhi India.

NAME CHANGE

I, Ranvir Singh am SON of JC-407051K Rank Nb Sub Name Solanki Pravin Singh Dhul Sinh presently posted at unit 22 GUARDS c/o 56 APO, Permanent Address Chopalavat, PO- Jalawpur, Teh- Bayad, Distt-, Sabarkantha, State- Gujarat, PIN-863340 have changed my name from RANVIR SINGH to SOLANKI RAJVIRSINH PRAVINSINH for all future Purposes. Vide Affidavit dated 29/04/2026 before Notary Public New Delhi India.

NAME CHANGE

It is for general information that I INDRA DEVI W/o SHASHI KUMAR R/o C – 4/36 , Street No. – 7E , Sudamapuri , Gamri Extn , Garhi Mendu , PO : Bhajan Pura , Dist : North East Delhi , Delhi – 110053 declare that the name of mine has been wrongly written as INDU KUMARI in my Ration Card No. 077002865691. The actual name of mine is INDRA DEVI Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, KULDIP KUMAR S/o JITENDRA SINGH R/o Flat No – 029A , Lotus Village , Residents Welfare Association , OPP KC International school , Sector – 1 Greater Noida West , Bishrakh , PO : I.A . Surajpur , Dist : Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh , 201306 have changed the name of my minor son AYRAN PUNDIR aged 10 years and he shall hereafter be known as ARYAN PUNDIR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SHILESH KUMAR S/O INDRA PAL SINGH R/O KH NO-21/14/1, 1ST FLOOR, BLK-B, STREET NO-29, KAUSHIK ENCLAVE, BURARI, PO-BURARI, DISTT-NORTH DELHI, DELHI-110084 have changed my name and shall hereafter be known as SHAILESH KUMAR.

NAME CHANGE

I, ANJANA BEN am DAUGHTER of JC-407051K Rank Nb Sub Name Solanki Pravin Singh Dhul Sinh presently posted at unit 22 GUARDS c/o 56 APO, Permanent Address :- VIII- Chopalavat, PO- Jalawpur, Teh-Bayad, Distt-, Sabarkantha, State-Gujarat, PIN-863340 have changed my name from ANJANA BEN to SOLANKI ANJNA PRAVINSINH for all future purposes. Vide Affidavit Dated 29/04/2026 before Notary Public New Delhi India.

NAME CHANGE

I, SOLANKI BHAVNA BEN am WIFE of JC-407051K Rank Nb Sub Name Solanki Pravin Singh Dhul Sinh presently posted at unit 22 GUARDS c/o 56 APO, Permanent Address :- Vill- Chopalavat, PO- Jalawpur, Teh-Bayad, Distt-; Sabarkantha, State-Gujarat, PIN-863340 have changed my name from SOLANKI BHAVNA BEN to SOLANKI BHAVANABEN for all future purposes Vide Affidavit Dated 29/04/2026 before Notary Public New Delhi India.

NAME CHANGE

I, BHURI BEN am MOTHER of JC-407051K Rank Nb Sub Name Solanki Pravin Singh Dhul Sinh presently posted at unit 22 GUARDS c/o 56 APO, Permanent Address Chopalavat, P0-Jalawpur, Teh- Bayad, Distt-, Sabarkantha, State- Gujarat, PIN-863340 have changed my name from BHURI BEN to SOLANKI BHURIBEN for all future purposes. Vide Affidavit Dated 29/04/2026 before Notary Public New Delhi India.

NAME CHANGE

I Krishna W/o Ajay Singh Tomar, Flat No 17, Block C9, Pocket 2, Sector 34 Rohini, Bawana, PO: Bawana DIST: North West Delhi, Delhi-110039 have changed my name to Krishna Chauhan for all future purposes.

NAME CHANGE

I,hitherto known as Laki S/O: Alihasan, R/O nirpura, Nirpura, Baghpat, Uttar Pradesh, 250625, have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Akhlaq.

NAME CHANGE

I,SAHIL SAMBHI S/O RAJIV SAMBHI R/O D2-202 SEC-67 IREO VICTORY VALLEY GOLF COURSE EXT ROAD BADSHAHPUR GURGAON, HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY SON NAME VIHAAN SHARMA TO VIHAAN SAMBHI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SIMRAN D/O ANIL KUMAR residing at HOUSE NO-11/57-A, SECTOR-3,, RAJENDER NAGAR, SHALIMAR GARDEN, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 Have changed my name to SIMRAN CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I SAVITA W/O VINOD KUMAR R/O A-115, ROAD NO 4, GALI NO 6 MAHIPALPUR EXT., SOUTH WEST DELHI-110037 HAVE CHANGED MY NAME TO SAVITA CHAUDHARY FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Afshan Khan W/o Aijaz Khan and M/o Mohd Azan R/o H NO. P-233, 3RD Floor, Gali No.-2, Sailing Club Road, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025, have changed my name from Afshan Khan to Afshan Siddique for all purpose in future.

NAME CHANGE

I MUSSRRIF S/O ABDUL QADIR KHAN R/O F-7 . J J COLONY RAGHUBIR NAGAR DELHI- 110027 have changed my name to MUSRIF KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ANAS S/O MOHAMMAD SALEEM R/O H.NO 12 A/1 F , VIJAY MOHALLA ,MOUJPUR DELHI-110053 have changed my name to ANAS Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SHAIDA W/O MOHD SALEEM R/O H.NO 12 A/1F VIJAY MOHALLA MOUJPUR DELHI- 110053 have changed my name to SAIDA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD SALEEM S/O YAMEEN R/O H.NO 12A/1F VIJAY MOHALLA MOUJPUR DELHI-110053 have changed my name to MOHD SALEEM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, GURPREET SINGH S/O SUKHDEV SINGH residing at H NO 10 2AND FLOOR SHIKSHAK VIHAR, NILOTHI EXTN DELHI-110041 have changed my name to ABHIJOT SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SARABJIT SINGH SETHI S/O PARAMJIT SINGH SETHI residing at F-54, SETHI HOUSE, SHAHEED BHAGAT SINGH MARKET, GOLE MARKET, NEW DELHI-110001 Have changed my name to SARABJEET SINGH SETHI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PRIYANK CHOUREY S/O PRADEEP CHOUREY R/O H.NO-3102, SECOND FLOOR, SECTOR-23, PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME "KRITIK" TO "KRITIK CHOUREY" FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SUSHIL KUMAR S/O GOVIND RAM BHATT R/O 101,TYPE OTH,1st FLOOR, BLOCK-A,PACIFIC APARTMENT, PLOT NO-39, SECTOR-10, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075, I HAVE CHANGED MY NAME TO SUSHIL KUMAR BHATT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Geetu Kharbanda alias Geetu Gulati W/o Hitesh Kharbanda D/o Swami Saran Gulati R/o E-232-A, East of Kailash, Sriniwaspuri, S.O, Dist: South Delhi, Delhi - 110065 have changed my name and shall hereafter be known as Geetu Kharbanda

NAME CHANGE

I Nikhl Marwa S/o Shyam Kumar R/o R 50 B Street No.7, Bihari Colony, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Nikhil Marwa

Public Notice

It is for general information that I, Asish Malick S/O Abu Hossain Mollik R/O House No 552/20E, Old Plot No-4, 1ST Floor, Zakir Nagar, New Delhi-110025, declare that the name of my father has been wrongly written as Abu Hussain Malick in my Pan Card and Voter Id Card, The actual name of my father is Abu Hossain Mollik which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

My client Ms. Hemlata D/o Late Sh. Babu lal R/o H.No. 944, Pocket-2, Paschim Puri, New Delhi and all her family members have severed their relations and debarred her brother Budh Ram @ Radhey Shyam and his wife Rubina Khatoon from all her movable/immovable properties because of their bad behavior and not under control of my client. If anybody deals with them which is at his own risk & responsibility and my client is not responsible for their acts.

AMIT GABA ADVOCATE

NAME CHANGE

I, SAURABH SETHI S/O SHANTA NAND SETHI residing at H NO-227, 2ND FLOOR, BANK ENCLAVE, LAXMI NAGAR, DELHI-110092. have changed my name to SOURABH SETHI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KM Barkha D/O Kaushlesh Singh W/O Himanshu Kumar R/O House no 51/52 Balvant vihar, Chipyana Buzurg, Gautam Buddha Nagar, Uttar pradesh 201009 Have changed my name to Barkha Rajput for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHAHID SON OF MOHD SBIR ALI R/O H NO.C-12/228, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SHAHID FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, Dev Bisht S/o Nain Singh Bisht R/o H.No.K-184, Gali No.4, Gautam Vihar, Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Devender Singh Bisht.

NAME CHANGE

I, HRITIK SANGWAN S/o BRIJPAL SINGH R/o H NO-36 GALI NO-13, BLOCK-H, SANGAM VIHAR, DELHI-110062. have changed my name to HRITHIK.

NAME CHANGE

I, BRIJPAL SINGH SANGWAN S/o RAGHUNATH R/o H NO-36 GALI NO-13, BLOCK-H, SANGAM VIHAR, DELHI-110062. have changed my name to BRIJPAL SINGH.

NAME CHANGE

I,GULAM RASUL SON OF ISLAMUDDIN R/O H NO.C-12/140, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME GULAM RASOOL GOURI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I Army no - 15228463F, Rank - Hav, Name - Choutipalle Narendra, Father of Choutipalle Ruthvika Presently residing, At - Gundampadu, Post-Gundampadu, Teh - Sirivella, Dist - Nandyal, State- Andhrapradesh, Pin - 518583, have changed my minor daughter's name from Choutipalle Ruthvika to Choutipalle Rithvika for all future purposes Vide Affidavit dated 29/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I Renu Soni W/o Dinesh, R/o B-21, GALI SAINI DHARMSHALA, SHALIMAR VILLAGE, North West Delhi, Delhi, 110088 have changed my name to Renu Verma for all future purposes.

NAME CHANGE

I Dinesh Soni S/o Arjun Kumar, R/o B-21, BHAGAT SINGH MARG, SHALIMAR VILLAGE, North West Delhi, Delhi-110088 have changed my name to Dinesh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I Kamal Aggarwal S/O Radhe Shyam Aggarwal, R/o B-47, ASHOK VIHAR PHASE-1, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi, 110052 have changed my name to Kamal Kumar Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sahriilu Remai D/O: Veinii, residing at Hno 671,near talab bedi Chaupal Bans Mohalla, Ghitorni,New Delhi 110030, Permanent Address- VTC: Khaikho, PO: Tadubi, Sub District: Paomata Sub-division, District: Senapati, State: Manipur, PIN Code: 795104, have changed my name and shall hereafter be known as Sahrulu Remai.

NAME CHANGE

I, BISMILLAH D/O MOHD GULZAR R/O 7562, GALI BARAK WALI QASAB PURA QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO BISMILLAH QURESHI.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती निधि भार्गव, श्री हरमीत सिंह से संपत्ति संख्या 1/10778-A, प्लॉट संख्या B-7, क्षेत्रफल 122.50 वर्ग गज, खसरा संख्या 20, स्थित सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा, गांव उल्धनपुर, शाहदरा, दिल्ली-110032 में निर्मित तीसरी मंजिल (छत के अधिकार सहित) खरीदना चाहती हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री राम दास थे, जिन्होंने इसे दिनांक 08.08.1966 की विक्रय विलेख द्वारा प्राप्त किया। तत्पश्चात यह संपत्ति त्क्क्र एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से क्रमश: श्रीमती जसवंत कौर (19.07.1980), श्रीमती मीनू सक्सेना (03.07.1981), श्री कृष्ण मोहन लाल सक्सेना (25.04.1985), श्री हरबंस लाल (08.09.1991), श्री जितेन्द्र कुमार (08.09.1991) एवं पुन: श्रीमती मीनू सक्सेना (17.08.1993) को हस्तांतरित हुई। श्री कृष्ण मोहन लाल सक्सेना एवं श्रीमती मीनू सक्सेना संपत्ति के स्वामी बने। दिनांक 13.06.2008 को श्री कृष्ण मोहन लाल सक्सेना के निधन के पश्चात उनके उत्तराधिकारियों श्री नितिन मोहन लाल एवं श्री सचिन मोहन लाल ने दिनांक 06.08.2024 के त्यागपत्र (Relinquishment Deed) द्वारा अपना हिस्सा श्रीमती मीनू सक्सेना के पक्ष में त्याग दिया। इसके पश्चात श्रीमती मीनू सक्सेना ने दिनांक 08.10.2024 की विक्रय विलेख द्वारा उक्त संपत्ति श्री हरमीत सिंह को विक्रय की। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक एवं देयों से मुक्त है तथा वर्तमान में इसका कब्जा श्री हरमीत सिंह के पास है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को RBL Bank Ltd., Okhla शाखा, New Delhi के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल देश प्रथम पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है जिसका कार्यालय- दुकान नंबर-19, सेक्टर 12, आर. के. पुरम, नई दिल्ली- 110022 पर स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है। पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं

अध्यक्ष:- राजेश कालिया, पता- दुकान नंबर-19, सेक्टर 12, आर. के. पुरम नई दिल्ली - 110022.

महासचिव- हर्ष देवगन, पता- प्लॉट नंबर - 70, द्वितीय तल, पॉकेट 21, सेक्टर 24, रोहिणी, नई दिल्ली- 110025.

कोषाध्यक्ष:- सुभाष नागपाल, पता च-1 नवभारत अपार्टमेंट, ए-4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली -110063. यदि किसी को देश प्रथम पार्टी (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति और इसके कारण सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

NAME CHANGE

I, KONINTI YADAMMA Mother of NO-2619085A Rank-SEP Name-KONINTI BALAKRISHNA Presently residing at D NO-1-92, VILL-KUCHUR, TEH-NAWAB PET, DIST-MAHABUB NAGAR, TELANGANA-509340 have changed my name from KONINTI YADAMMA to KALAL YADHAMMA for all future purposes vide Affidavit Dated 29/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KONINTI NARSIMULU father of NO-2619085A Rank-SEP Name-KONINTI BALAKRISHNA Presently residing at D NO-1-92, VILL-KUCHUR, TEH-NAWAB PET, DIST-MAHABUB NAGAR, TELANGANA-509340, have changed my name from KONINTI NARSIMULU to KALAL NARSIMHUL GOUD for all future purposes vide Affidavit Dated 29/04/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I, Varsha Yadav W/o Mrinal Khurana R/o 1501 Tower-1, Orange County, Ahinsa Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014 have changed the name of my minor son Yuvin Mrinal Khurana aged 9 years and he shall hereafter be known as Yuvinn Yadav

NAME CHANGE

I Kulvindar Jeet Singh/ Kulvinder Singh s/o Kapoor Singh R/O. B-12, Second Floor, Right Side Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi-110017 have changed my name to Kulvindra Singh for all future purpose

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

निलंबित अधिकारी को बहाल कर बनाया सिंचाई विभाग में स्पेशल एचओडी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए डॉ. सतवीर सिंह कादियान को सिंचाई विभाग में स्पेशल हेड ऑफ डिपार्टमेंट नियुक्त किया है। सरकार ने हाल ही में डॉ. कादियान को विभागीय कारणों से निलंबित किया था, जिसके बाद अब उन्हें नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. सतवीर सिंह कादियान जल प्रबंधन और सिंचाई क्षेत्र के विशेषज्ञ माने जाते हैं। सरकारी आदेश के अनुसार स्पेशल एचओडी के रूप में डॉ. कादियान विभाग में पानी प्रबंधन, सिंचाई योजनाओं की मॉनिटरिंग और तकनीकी सुधार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। उनके हालिया निलंबन के बाद इतनी जल्दी नई जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा भी तेज हो गई है। इसे सरकार का भरोसा और उनकी विशेषज्ञता पर विश्वास के तौर पर देखा जा रहा है।

मेयर चुनाव में नौ उम्मीदवार मैदान में, चिन्ह बांटे

सोनीपत। नगर निगम सोनीपत आम चुनाव-2026 के तहत मेयर पद के लिए नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि मंगलवार को कवरिंग उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। भारतीय जनता पार्टी के कवरिंग उम्मीदवार दिव्यांग जैन और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कवरिंग उम्मीदवार मेघा दीवान ने नामांकन वापस लिया। अब मेयर पद के लिए नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में रह गए हैं। सभी उम्मीदवारों को उनके चुनाव चिन्ह भी अलॉट कर दिए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राजीव जैन को कमल का फूल चुनाव चिन्ह मिला है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार कमल दीवान को हाथ का निशान दिया गया है। इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार आनंद कुमार को चश्मा चुनाव चिन्ह मिला है। निर्दलीय उम्मीदवारों में रमेश कुमार खत्री को रोड रोलर, कमलेश कुमार सैनी को सेब, संत धर्मवीर चोटीवाला को ब्लैक बोर्ड, अनल सिंघल को घड़ी, चांद राम को आम और हवा सिंह को अंगूर का गुच्छा चिन्ह दिया गया है। प्रशासन ने मतदान और मतगणना की तैयारियां पूरी होने का दावा किया है। मेयर और पार्षद पद के लिए मतदान दस मई को सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक होगा।

सफाई कर्मियों की सेहत पर भी विशेष ध्यान दे रही है प्रदेश सरकार: कृष्ण कुमार

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन कृष्ण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दे रही है। गुरुग्राम जिला के सभी पीएचसी और सीएचसी में 28, 29 और 30 अप्रैल को विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए हैं। वे मंगलवार को गुरुग्राम में स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद भवन में सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए इन शिविरों में पहुंचकर जांच अवश्य कराएं। उन्होंने सफाई कर्मचारी यूनियन प्रतिनिधियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आयोग द्वारा पूरे हरियाणा में सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस सफाई कर्मचारी यूनियन द्वारा सौंपे गए मांग पत्र और विभिन्न समस्याओं पर चेयरमैन कृष्ण कुमार ने सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और इस संबंध में संबंधित अधिकारियों व मुख्यमंत्री से चर्चा कर समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने गुरुग्राम में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार करने का आश्वासन दिया, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर हो सके।

हरियाणा विधानसभा में नारी शक्ति वंदन प्रस्ताव पास होना स्वागत योग्य : डॉ. आशा खेदड़

हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने हरियाणा विधानसभा में नारी शक्ति वंदन प्रस्ताव के ध्वनिमत से पारित होने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने फिर साबितकर दिया है कि वह महिलाओं को उनका अधिकार देना चाहती है लेकिन कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा में भी वही रवैया अपनाया, जो केन्द्र में अपनाया था। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल पर हरियाणा विधानसभा का एक दिवसीय सत्र बुलाया गया। इसमें नारी शक्ति वंदन प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधानसभा में यह प्रस्ताव पारित होना साबित करता है कि भाजपा महिला वर्ग को उसका अधिकार देने की पक्षधर है। चाहे केन्द्र हो या हरियाणा, भाजपा ने हर कदम पर महिलाओं को उनका अधिकार देने की न केवल वकालत की है, बल्कि आगे बढ़कर उसका समर्थन करते हुए मौका मिला तो उसे पारित भी किया है। उन्होंने हरियाणा विधानसभा में प्रस्ताव के पारित होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष व तमाम सदस्यों का आभार जताया, जिन्होंने इस प्रस्ताव के पारित होने में भूमिका निभाई आशा खेदड़ ने कहा कि जहां तक कांग्रेस की बात है, उसने महिलाओं को अधिकार देने पर हमेशा दोगला रवैया अपनाया है।

भाजपा सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है : नायब सैनी

एजेंसी

पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के समग्र विकास और हर वर्ग के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियां पारदर्शिता, सुशासन और विकास पर आधारित हैं, जिनका उद्देश्य हरियाणा को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। मुख्यमंत्री पंचकूला के सेक्टर-10 में आयोजित भाजपा के मेयर प्रत्याशी श्यामलाल बंसल के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता से भाजपा के मेयर प्रत्याशी श्यामलाल बंसल को भारी बहुमत से विजय दिलाने की अपील की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल और सभी वार्डों के प्रत्याशियों को जिताकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि पंचकूला में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी विकास कार्यों को और तेजी से रफ्तार मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार

हरियाणा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया और शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक सुधार किए गए हैं। इसके साथ ही किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीब वर्ग के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर चलते हुए बिना भेदभाव के हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत लाखों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है, वहीं कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए भी अनेक योजनाएं लागू की गई हैं, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की जनता लगातार भाजपा को आशीर्वाद दे रही है। जनता के आशीर्वाद से राज्य में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि पंचकूला में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर योजनाओं का क्रियान्वयन तेज, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से होगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताते हुए कहा कि पंचकूला में जनता हर वार्ड में कमल खिलाने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे श्यामलाल बंसल को भारी मतों से विजयी बनाएं।

हरियाणा ने बढ़ते तापमान को देखते हुए हेल्थ एडवाइजरी की जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ.सुमिता मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने मौजूदा एवं अनुमानित भीषण गर्मी को देखते हुए विस्तृत सार्वजनिक स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि सामान्य से अधिक तापमान की संभावना को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और हीट-हेल्थ एक्शन प्लान को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार का मुख्य फोकस तैयारी को सुदृढ़ करने, समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने तथा अत्यधिक गर्मी से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने पर है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली के माध्यम से हीट से संबंधित बीमारियों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग अनिवार्य कर दी गई है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को समयबद्ध एवं सटीक डेटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। राज्य के सभी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक दवाइयों, ओआरएस, आईवी फ्लूड, आइस पैक सहित अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गंभीर मामलों के उपचार के लिए समर्पित हीटस्ट्रोक प्रबंधन इकाइयां स्थापित की जा रही हैं तथा एम्बुलेंस सेवाओं को त्वरित प्रतिक्रिया के लिए तैयार रखा गया है। एडवाइजरी में आमजन से अपील की गई है कि वे गर्मी से बचाव के लिए सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, ओआरएस या घर पर बने पेय जैसे नींबू पानी, लस्सी एवं ताजे फलों के जूस का सेवन करें। बाहर निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें तथा सिर को ढककर रखें। लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचें और छायादार या हवादार स्थानों में रहें।

सोनीपत नगर निगम चुनाव में भाजपा जीत के साथ नए इतिहास को रचेगी: मंत्री पंवार

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में पंचायती राज और खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सेक्टर 14 स्थित विधायक कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर नगर निकाय चुनाव को लेकर कहा कि इस बार हरियाणा की जनता का मूड बना हुआ है कि कमल को जीत दिलाने के लिए नए इतिहास की रचना करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के तीन नगर निगम, तीन नगर पालिकाओं और एक नगर परिषद में चुनाव हो रहे हैं और सातों स्थानों पर मेयर व चेयरमैन पद के साथ सभी वार्डों में भाजपा उम्मीदवार भारी बहुमत से जीत दर्ज करेंगे। मंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल है और जनता का एकमुश्त समर्थन पार्टी को मिल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में घोषणा की है कि लाडो लक्ष्मी योजना की लाभार्थी महिलाओं के राशन कार्ड नहीं काटे जाएंगे। महिला आरक्षण विधेयक का कांग्रेस द्वारा विरोध करना महिलाओं के प्रति नकारात्मक सोच को दिखाता है। विधायक निखिल मदान ने कहा कि नगर निगम चुनाव में भाजपा ने सभी सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारे हैं और शहर के विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने दावा किया कि सात निर्दलीय उम्मीदवारों ने भाजपा के समर्थन में अपने नामांकन वापस लेकर पार्टी को और मजबूत किया है। नामांकन वापसी के अंतिम दिन वार्ड चार से पवन गर्ग, वार्ड पांच से रीना शर्मा, वार्ड 10 से पूजा छिक्कारा, वार्ड 11 से सरिता सैनी, वार्ड 17 से यशवीर नंबरदार, वार्ड 18 से ऊषा तंवर और वार्ड 22 से जयपाल मलिक ने नामांकन वापस लिया।

हरियाणा में अब कॉलेजों में भी 'सुपर-100' मॉडल लागू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने उच्च शिक्षा को नई दिशा देने का ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश के सरकारी सकूलों में सफल रही बुनियाद और हरियाणा सुपर-100 जैसी योजनाओं को अब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक विस्तार दिया जाएगा।

इसका उद्देश्य युवाओं को स्टार्टअप संसकृति से जोडक़र उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार सृजन में उनकी भूमिका को बढ़ाना है। शिक्षा मंत्री ने पंचकूला स्थित हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद की 5वीं बैठक की बतौर मुख्यातिथि अध्यक्षता कर रहे थे।

इस दौरान हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा वाधवानी फाउंडेशन के साथ महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जो उद्यमिता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने परिषद के न्यूजलेटर के प्रथम संस्करण, विजन मिशन डॉक्युमेंट

2047 एवं वर्कशॉप की संक्षिप्त जानकारी पर आधारित पुस्तक का भी विधिवत विमोचन किया। उन्होंने कहा कि एनईपी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में निर्धारित कार्यक्रमों के तहत सुबह राजकीय माध्यमिक और दोपहर को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों को नीति के विभिन्न आयामों से अवगत कराया जाएगा। इस अभियान में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

प्रो. केसी शर्मा अध्यक्ष हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद ने परिषद के सदस्यों को अवगत करवाया कि परिषद द्वारा विभिन्न यूनिवर्सिटी, नेशनल बोर्ड ऑफ अक्रेडटैशन, उच्चतर शिक्षा विभाग के साथ समन्वय करके अनेक कार्यशालाओं का आयोजन किया। हरियाणा राज्य एनईपी उत्कृष्टता पुरस्कार की शुरुआत की गई और बीस यूनिवर्सिटीज और कालेजों को पुरुस्कृत किया गया। राज्य योजना अनुसंधान (एचएसआरएफ) की शुरुआत की गई ताकि शिक्षकों छात्रों के बीच उच्च गुणवत्ता, बहु विषयक और स्थानीय आवश्यकताओं से जुड़े अनुसंधान के लिए प्रेरणा जागृत हो। भारतीय ज्ञान परंपरा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम में प्रभावी रूप से शामिल करने बारे कदम उठाए जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण के सुदृढ़ीकरण के लिए एनआईटीटीआर चंडीगढ़ के विस्तार केंद्र की स्थापना के लिए समिति का गठन किया गया है।

महिलाओं द्वारा निकाली गई मशाल जुलूस यात्रा कांग्रेस व इंडी गठबंधन के कफन में आखिरी कील साबित होगी : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। महिला आरक्षण के समर्थन में देर सायं राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा की अगुवाई में मशाल जुलूस यात्रा निकाली गई। पंचकूला के सेक्टर-7-8 लाइट प्वाइंट से लेकर डीसी स्कूल तक निकाली गई इस यात्रा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी शामिल हुए। मशाल यात्रा में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कांग्रेस पार्टी व इंडी गठबंधन को महिला विरोधी बताया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पार्टी पर महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक महिला आरक्षण को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रवैया महिलाओं के प्रति हमेशा ही निराशाजनक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आधी आबादी के अधिकारों की अनदेखी करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा कि जब लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने नारी शक्ति वंदन संशोधन बिल पेश किया, तब विपक्ष का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को आगे बढ़ाने में बाधा डालने का काम किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आज देशभर की महिलाएं कांग्रेस के इस व्यवहार से आक्रोशित हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कोई सौगात नहीं, बल्कि महिलाओं का अधिकार है। सैनी ने कहा कि पीएम मोदी महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचकूला में निकाला गया यह मशाल जुलूस केवल एक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के अधिकारों के लिए उठी एक सशक्त आवाज है। उन्होंने कहा कि यह जुलूस कांग्रेस और इंडी गठबंधन के कफन में एक कील साबित होगा, क्योंकि जनता अब कांग्रेस के असली चेहरे को पहचान चुकी है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं को उनका हक दिलाने के समर्थन में सत्र बुलाया था, लेकिन कांग्रेस अपने पुराने रवैये पर अड़ी रही जोकि बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो ससंद में गलती की थी उस गलती को हरियाणा विधानसभा में सुधारने का कांग्रेस के पास मौका था, लेकिन कांग्रेस ने यहां भी महिलाओं का अपमान किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में कांग्रेस के रवैये स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों के प्रति गंभीर नहीं हैं

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी महिलाओं से वोट तो लेती है, लेकिन जब उनके अधिकारों की बात आती है तो पीछे हट जाती है। उन्होंने कहा कि यह दोहरा चरित्र अब जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो चुका है।

गुरुग्राम पुलिस ने बदमाश कृष्ण का दो मंजिला घर किया जमींदोज

एजेंसी

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने दो बदमाशों द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बनाए गए घर व कार्यालय को जमींदोज किया। एक बदमाश ने रामपुरा गांव में दो मंजिला घर बना रखा था और दूसरे ने टोडापुर हेलीमंडी में कार्यालय बना रखा था। मकान व कार्यालय को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच जमींदोज कर दिया गया।

अपराध शाखा फर्रुखनगर द्वारा थाना पटौदी के क्षेत्र के गांव रामपुरा के रहने वाले अपराधिक प्रवृत्ति के कृष्ण की ओर से कब्जायी गयी सरकारी प्रॉपर्टी पर संज्ञान लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी हत्या, हत्या का प्रयास, चोरी करने, लूट करने, धोखाधड़ी करने, शस्त्र अधिनियम जैसे गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। आरोपी के विरुद्ध एक दर्जन से भी अधिक केस दर्ज हैं। वह एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। आरोपी द्वारा अवैध रूप से दो मंजिला मकान बनाया गया है। जिला प्रशासन द्वारा इस अवैध मकान को ध्वस्त किया गया। इस दौरान अपराध शाखा और पुलिस बल तैनात किया गया है। दूसरे बदमाश टोडापुर हेलीमंडी निवासी संदीप की ओर से अवैध रूप से कार्यालय व कमरे बनाए गए थे। पुलिस ने दोनों कब्जों को गिराकर सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराया।

मानसून से पहले बाढ़ सुरक्षा तैयारियों का डीसी ने लिया जायजा

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने जिले में संभावित बाढ़ से बचाव के लिए चल रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुहला क्षेत्र में घग्गर टटियाना गेज, हांसी-बुटाना नहर और सरोला साइफन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी कार्य हर हाल में पूर्ण किए जाएं, ताकि जल प्रवाह सुचारू रहे और किसानों व आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। डीसी ने सबसे पहले टटियाना गेज का दौरा किया और घग्गर नदी की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2023 में यहां 84 हजार क्यूसिक और 2025 में 56 हजार क्यूसिक पानी दर्ज किया गया था। आगामी मानसून को देखते हुए विभाग द्वारा बाढ़ सुरक्षा के सभी इंतजाम तेजी से किए जा रहे हैं। डीसी ने मौके पर कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद डीसी ने हांसी-बुटाना नहर पर चल रहे मजबूतीकरण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि

पटियाला रोड से खराल गांव तक करीब 10 हजार फुट क्षेत्र में एक करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग टाइलें लगाई जा रही हैं। यह कार्य जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। डीसी ने कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि मानसून जल्दी आने की संभावना के मद्देनजर कार्य समय से पहले पूरा किया जाए। डीसी ने बीएमएल सरोला साइफन का भी निरीक्षण किया, जहां गाद निकालने का कार्य जारी है। उन्होंने संबंधित एजेंसी को इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम गुहला कैप्टन प्रमेश सिंह को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों ने अपनी समस्याएं भी डीसी के समक्ष रखीं, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर एसडीएम कैथल संजय सिंह, एसडीएम गुहला कैप्टन प्रमेश सिंह, डीआरओ चंद्र मोहन, कार्यकारी अभियंता गुरविंदर सिंह, दिग्विजय शर्मा, वरुण कंसल, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम यातायात पुलिस को मिला सुविधाओं से लैस बूथ

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात पुलिस के लिए लगाए जाने वाले 31 बूथ में से पहला बूथ स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन डीसीपी यातायात प्रतीक गहलोत ने किया। एम3एम इंडिया की ओर से ये बूथ तैयार कराए जा रहे हैं।31 यातायात बूथों को एनएच-8 पर राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, इफको चौक सहित गुरुग्राम के प्रमुख चौराहों पर 31 ट्रैफिक बूथ स्थापित करने की योजना है। जीआईसी मानेसर में पहले ट्रैफिक बूथ का उद्घाटन गुरुग्राम के डीसीपी ट्रैफिक प्रतीक गहलोत द्वारा किया गया। ये बूथ एयर कंडीशनिंग और पूरी तरह से सुसज्जित सुविधाओं से युक्त हैं। इस पहल का उद्देश्य अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस की ऑन-ग्राउंड उपस्थिति और कार्य करने की दक्षता को बढ़ाना है। अपने संबोधन में डीसीपी ट्रैफिक प्रतीक गहलोत ने कहा कि अच्छा ट्रैफिक प्रबंधन गुरुग्राम जैसे तेजी से बढ़ते शहर में सुरक्षा और सुगम आवाजाही के लिए बहुत जरूरी है। ये बूथ फील्ड में काम कर रहे पुलिसकर्मियों की क्षमता को मजबूत करेंगे, जिससे शहर के महत्वपूर्ण चौराहों पर रियल-टाइम निगरानी और तेजी से

कार्रवाई संभव हो सकेगी। हम शहर के ट्रैफिक सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए एम3एम इंडिया के इस प्रयास की सराहना करते हैं। ट्रैफिक की बेहतर निगरानी और प्रबंधन के लिए ये बूथ आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। हर बूथ पूरी तरह तैयार होगा, जिसमें चार बेड, कुर्सी-मेज, एसी, कंप्यूटर, बैठने की जगह, पेंट्री और वॉश रूम जैसी सुविधाएं होंगी। यहां लगी निगरानी व्यवस्था से पुलिस आसपास के क्षेत्र की लाइव फुटेज देख सकेगी, जिससे तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

हांसी जिला स्व-गणना में टॉप फाइव में शामिल, डीसी बोले, टीम पर पूरा भरोसा पहले स्थान पर होंगे काबिज

एजेंसी

हांसी। स्व-गणना के मामले में हांसी जिला टॉप फाइव में शामिल हो गया है, जबकि डेट लाइन समाप्त होने में अभी तीन दिन और बाकी है। प्रत्येक जिलावासी को इस समय का सदुपयोग कर अपने परिवार की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी चाहिए ताकि नवगठित हांसी जिला प्रथम स्थान पर पहुंचकर अपने समृद्ध इतिहास में एक और नया अध्याय जोड़ सके।

यह बात उपायुक्त राहुल नरवाल ने अपने कार्यालय में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एसडीएम एवं जिला जनगणना नोडल अधिकारी राजेश खोथ के नेतृत्व में इस क्षेत्र में अच्छा कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणनाटीम इसी प्रकार से निरंतरता बनाए रखें। अगर जनगणना टीम इसी प्रकार से जुनून के साथमेहनत करती रही तो निश्चित रूप से हमारा जिला टॉप पर पहुंच जाएगा।इस दौरान एसडीएम राजेश खोथ ने डीसी राहुल नरवाल तथा पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार को जनगणना किट भेंट की।

डीसी तथा पुलिस अधीक्षक ने

अपने अधीनस्थ अधिकारियों तथा कर्मचारियों से अपील की कि जनगणना पोर्टल पर अपने परिवार की जानकारी अपलोड करें। उन्होंने कहा कि पहली बार स्व गणना काअवसर नागरिकों को उपलब्ध करवाया गया है । हर नागरिक को स्वगणना कर इस अवसर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए।अधिकारियों ने डीसीराहुल नरवाल तथा पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार को बताया कि हांसी जिले के ज्यादातर अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अपने परिवार की जानकारी जनगणना पोर्टल पर अपलोड करवाई जा चुकी है। एसडीएम एवं जिला जनगणना नोडल अधिकारी राजेश खोथ ने बताया कि एक मई से घरों की गणना का कार्य भी शुरू होने जा रहा है। जिले में 980 हाउस ब्लॉक बनाए गए हैं। हर ब्लॉक मेंलगभग 150 घरों को शामिल किया गया है। उन्होंने जिलावासियों से अपील की है कि वह स्व गणना कर प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे।

हरियाणा में पानी व बिजली संकट से जनता परेशान, गांवों में टैंकर ही बना मुख्य सहारा : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीब्ल्यूसी की सदस्य एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में गर्मी की शुरुआत के साथ ही पेयजल संकट ने गंभीर रूप ले लिया है। प्रदेश के अनेक जिलों, विशेषकर सिरसा के ऐलनाबाद क्षेत्र सहित विभिन्न हिस्सों में पानी की भारी कमी देखी जा रही है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि कई स्थानों पर पानी की राशनिंग तक लागू करनी पड़ रही है और लोगों को टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बिजली संकट कोढ़ में खाज सा काम कर रही है। सांसद सैलजा ने कहा कि जो हरियाणा अपने आप को विकसित राज्य बताता है, वहां आज गांवों और शहरों की पंचायतों की सबसे बड़ी मांग पेयजल टैंकर बन चुकी है। यह स्थिति सरकार की जल प्रबंधन व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि अपने सांसद कोटे से उन्होंने दर्जनों गांवों में पानी के टैंकर उपलब्ध करवाए हैं, लेकिन इसके बावजूद पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि वह तुरंत प्रभाव से पेयजल आपूर्ति को नियमित और सुचारू बनाने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। सैलजा ने प्रदेश में बढ़ते बिजली संकट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अभी से लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं, जिससे भीषण गर्मी में आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी और बिजली दोनों संकट मिलकर जनजीवन को प्रभावित कर रहे हैं। सांसद सैलजा ने कहा कि पेयजल और बिजली आपूर्ति को लेकर सरकार जरा भी गंभीर नहीं है। सिरसा के ऐलनाबाद और नाथुसरी चोपटा क्षेत्र के लोग राजस्थान से पेयजल जाकर गुजारा कर रहे है तो कुछ गांवों के लोगों को अभी से खरीदकर पानी लेकर आना पड़ रहा है। यमुना में जहां 8000 क्यूसेक पानी की जरूरत है वहां 1500 क्यूसेक मिल रहा है। राज्य में 38 बीसीएम (बिलियन क्यूसेक मीटर) की जरूरत पर नहरी और बरसाती पानी से ही 20 बीसीएम ही उपल्ब्ध है शेष 18 बीसीएम पानी की कमी भू जल के दोहन से होती है।

यूएई का ऐलान, एक मई से ओपेक और 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा

उत्पादन प्रतिबंधों के कारण यूएई असहज कर रहा था महसूस

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था। यूएई तेजी से पश्चिम एशिया में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जो समय के साथ रियाद के कुछ रुख के विपरीत रही है। ऐसा खासतौर से तब शुरू हुआ जब सऊदी अरब ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में खुद को दुनिया के लिए खोला और विदेशी निवेश आकर्षित करने के मामले में सीधे तौर पर अमीरात को चुनौती देना शुरू किया। यूएई ने यह घोषणा अपनी सरकारी समाचार एजेंसी के जरिए की। इसमें कहा गया है कि यह निर्णय यूएई के दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक नजरिये तथा बदलते ऊर्जा परिदृश्य को दर्शाता है, जिसमें घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेज निवेश शामिल है। यह वैश्विक ऊर्जा बाजारों में एक जिम्मेदार, विश्वसनीय और भविष्योन्मुखी भूमिका के लिए इसकी प्रतिबद्धता को भी पुष्ट करता है। यूएई ने कहा कि संगठन से बाहर निकलने के बाद, यूएई जिम्मेदारी से काम करना जारी रखेगा मांग और बाजार की स्थितियों के अनुरूप धीरे-धीरे और नपे-तुले तरीके से बाजार में अतिरिक्त उत्पादन लाएगा। वियना स्थित तेल गठबंधन ओपेक में लंबे समय से सऊदी अरब की प्रभावी भूमिका रही है। हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि करने से इस संगठन की बाजार शक्ति में कुछ कमी देखी गई। सऊदी अरब और यूएई के बीच आर्थिक मुद्दों और क्षेत्रीय राजनीति, विशेष रूप से लाल सागर क्षेत्र को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। दोनों देश 2015 में यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने के लिए एक गठबंधन में शामिल हुए थे। दिसंबर के अंत में यह गठबंधन आपसी आरोपों के बीच टूट गया।

नई रेंज रोवर स्पोर्ट ऑटोबायोग्राफी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय ग्राहकों के लिए जैगुआर लैंड रोवर ने अपनी वर्ष की नई रेंज रोवर स्पोर्ट ऑटोबायोग्राफी लॉन्च कर दी है। इस लग्जरी कार की शुरुआती कीमत 1.60 करोड़ रुपये है। कंपनी ने पहली बार इस टॉप मॉडल को भारत में ही असेंबल करने का फैसला लिया है, जिससे इसकी उपलब्धता और पहुंच पहले से बेहतर होगी। अब तक यह मॉडल पूरी तरह आयातित होता था, जिससे इसकी कीमत काफी अधिक रहती थी। इस कदम से ग्राहकों को बेहतर मूल्य और आसान उपलब्धता का लाभ मिलेगा, जो कंपनी की भारत में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह शानदार एसयूवी दो इंजन विकल्पों के साथ पेश की गई है, जिसमें 3.0 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन शामिल हैं, जिन्हें देश में ही असेंबल किया जाएगा। हालांकि, अधिक ताकतवर 4.4 लीटर वी8 इंजन वाला संस्करण अभी भी पूरी तरह आयातित रूप में उपलब्ध रहेगा। वाहन में इलेक्ट्रॉनिक एक्टिव डिफरेंशियल, ब्रेकिंग के साथ टॉर्क वितरण प्रणाली, सभी पहियों की स्टीयरिंग, विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित ड्राइविंग प्रोग्राम और उन्नत एयर सस्पेंशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो बेहतर संतुलन, नियंत्रण और आराम प्रदान करती हैं। केबिन में प्रीमियम गुणवत्ता वाली चमड़े की सीटें, पूरी तरह विस्तारित चमड़े की सजावट, मालिश सुविधा और उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली एक शाही अनुभव देती हैं। कंपनी का मानना है कि स्थानीय असेंबली और विभिन्न इंजन विकल्प इसे अधिक ग्राहकों तक पहुंचाएंगे, जिससे भारत में लग्ज़री वाहन बाजार में कंपनी की पकड़ मजबूत होगी। बुकिंग शुरू हो गई है। बाहरी डिज़ाइन में खास पहचान देने वाले बैज, लाल रंग के ब्रेक कैलिपर्स और 22 इंच के आकर्षक मिश्रधातु पहिए इसे भीड़ से अलग बनाते हैं। इसे नए ग्रे, मोती जैसे सफेद, काले और गहरे ग्रे रंगों में उपलब्ध कराया गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 609, निफ्टी 181 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 609.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,496.36 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 181.95 अंक उछलकर 24,177.65 पर रहा। आज कारोबार के दौरान वाहन और रियल्टी शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया। बीच के दौर में हालांकि मुनाफावसूली हावी होने से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी में , निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो शेयरों में तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी आई , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी मेटल में बढ़त रही जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर गिरे। निफ्टी के शेयरों में आईटीसी, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया, मारुति, भारती एयरटेल, टाटा कंज्यूमर, एमएंडएम और आयशर मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं इंडिगो, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। सुबह सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिले हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमशः 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा।

सोने चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव ऊपर आये हैं। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,50,100 रुपये जबकि चांदी के भाव 2,38,350 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 693 रुपये बढ़कर 1,50,720 रुपये पर खुला। ये 1,51,527 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,49,993 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में भी बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 1,334 रुपये बढ़कर साथ 2,38,443 रुपये पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,37,345 रुपये था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के शीर्ष स्तर तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,611.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 4,608.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 72.98 डॉलर के भाव पर खुले जबकि पिछला बंद भाव 73.21 डॉलर था।

टाटा पंच और नेक्सन का जलवा, मार्च 2026 में एसयूवी सेगमेंट में शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जहाँ कंपनी की दो एसयूवी ने बिक्री में शीर्ष स्थान हासिल किया। टाटा पंच इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल बनकर उभरा, जिसने 20,977 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। पिछले साल मार्च की तुलना में इसमें 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई। दूसरे स्थान पर टाटा नेक्सन रही, जिसकी 19,810 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है। नेक्सन अपनी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक विकल्पों के कारण ग्राहकों में काफी लोकप्रिय है। मारुति सुजुकी ने भी इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। मारुति ब्रेजा 16,130 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रही, हालाँकि इसमें पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई। वहीं, मारुति फ्रॉन्क्स ने 15,540 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 14 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

भारत दुनिया का आकर्षण है एक बार फिर दुनिया हमारे साथ है

डील पक्की करने अगले माह कनाडा जाएंगे उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है। 2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है। भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है।' उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से 'पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रॉस्पर' के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है। इस छूट में पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत और पारंपरिक ज्ञान उत्पाद शामिल हैं। गोयल ने कहा कि खेल उपकरण, डिजाइन, ऐप्स, मीडिया अधिकार या पारंपरिक ज्ञान में प्रत्येक नए

विचार को तुरंत पंजीकृत किया जाना चाहिए। सरकार इसके लिए समर्थन योजना भी लाएगी, जिसका ब्योरा जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य खेल में नवाचार और व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना है, जिसमें क्रिकेट, हॉकी, गेंदें, जिम उपकरण और सहायक उपकरण का निर्माण शामिल है।

50 से ज्यादा कंपनियां मार्च तिमाही के नतीजों का करेंगी ऐलान

वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वेदांता का प्रदर्शन रह सकता है मजबूत

नई दिल्ली।

बजाज फाइनेंस, अडाणी पावर, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, वारी एनर्जीज़ और वेदांता जैसी प्रमुख कंपनियां आज अपने मार्च तिमाही के नतीजों का एलान करेंगी। अन्य कंपनियों में एमफैसिस, फिनो पेमेंट्स बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज, जना स्मॉल फाइनेंस बैंक और फोर्स मोटर्स शामिल हैं। दलाल स्ट्रीट के विश्लेषकों का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वेदांता लिमिटेड का प्रदर्शन मजबूत रह सकता है। इसका मुख्य कारण लंदन मेटल एक्सचेंज पर एल्युमिनियम, जिंक और चांदी की अनुकूल कीमतें हैं। इन रुझानों से कारोबार क्षेत्रों में आय बढ़ने की संभावना है।विश्लेषकों ने उत्पादन लागत बढ़ने के दबाव की ओर भी संकेत दिया है, जो आपूर्ति बाधाओं के कारण बढ़ रहा है। ऐसे में प्रबंधन की मार्जिन और परिचालन दक्षता पर टिप्पणियां खास नजर में रहेंगी।

मेटल और माइनिंग क्षेत्र की यह कंपनी बुधवार को अपने वित्तीय नतीजे घोषित करेगी। बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा ट्रैक की जा रही ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि क्यू4 में वेदांता का मुनाफा बढ़ेगा। प्रॉफिट आफ्टर टैक्स में सालाना आधार पर 174 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिसे बेहतर प्राप्ति और विभिन्न खंडों में परिचालन सुधार का समर्थन मिलेगा।

एमजी विंडसर ने तोड़े बिक्री के रिकॉर्ड वित्त वर्ष 2026 में बनी नंबर-1 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में एमजी मोटर्स की कारों की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। बीते वित्त वर्ष 2026 में एमजी विंडसर ने कंपनी के सभी मॉडलों में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस दौरान कुल 46,720 एमजी विंडसर ग्राहकों तक पहुँची, जो वित्त वर्ष 2025 में बेची गई 19,394 यूनिट्स के मुकाबले 141 प्रतिशत की भारी सालाना वृद्धि दर्शाती है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर एमजी कॉमेट ईवी रही, जिसने 10,292 यूनिट्स की बिक्री की, जो 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। वहीं, एमजी हेक्टर के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा, जिसकी बिक्री 42 प्रतिशत घटकर 9,003 यूनिट्स रही। एमजी जेडएस ईवी की बिक्री में भी 21 प्रतिशत की गिरावट आई, और यह 5,579 यूनिट्स के साथ चौथे स्थान पर रही। एमजी एस्टर और एमजी ग्लॉस्टर ने क्रमशः 1,212 और 119 यूनिट्स की बिक्री के साथ बड़ी गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर, एमजी मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 72,925 नए ग्राहक जोड़े।एमजी विंडसर की सफलता के पीछे इसका आधुनिक डिजाइन, बेहतरीन पावरट्रेन और लंबी रेंज है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट को हब बनाने की तैयारी सरकार के साथ चल रही बात

सब कुछ ठीक रहा तो यह हब सर्दियों तक हो सकता है चालू

नई दिल्ली।

अडाणी द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईएएल) अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के लिए इसे 'हब और स्पोक' डेस्टिनेशन के तौर पर चलाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक बातचीत काफी आगे बढ़ गई। इस कदम से एनएमआईएएल को नागरिक विमानन मंत्रालय के साथ तय किए गए अपने विकास लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। एनएमआईएएल का लक्ष्य वर्ष 2026-27 जो उसके संचालन का पहला पूरा साल होगा, उस में 1.1 करोड़ यात्रियों को सेवा मुहैया कराना है। उसका इरादा इसे वित्त वर्ष 2028 तक बढ़ाकर 2 करोड़ तक पहुंचाना है, जो दुनिया के किसी भी हवाई अड्डे के लिए सबसे तेज बढ़ोतरी दर में से एक है। इस तरह से यह हवाई अड्डा पहले ही चरण में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर लेना चाहता है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो यह हब इस सर्दियों तक चालू हो सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिल्ली को देश के पहले हब एयरपोर्ट के तौर पर पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके 1 जून से शुरू होने की उम्मीद है। यह राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक देश को भारतीय यात्रियों के लिए और 2047 तक पूरी दुनिया के लिए पसंदीदा एविएशन हब बनाना है। बेंगलूरु और यहां तक कि राजकोट जैसे कुछ अन्य हवाई अड्डों को भी हब बनाने पर विचार किया जा रहा है। योजना का मकसद उस 'ट्रांसफर ट्रैफिक' को वापस लाना है, जो अब तक दुबई, दोहा, लंदन, फ्रैंकफर्ट जैसे वैश्विक केंद्रों का इस्तेमाल करता रहा है। इसके बजाय वे देश के ही हवाई अड्डों का इस्तेमाल करेंगे। सरकार के कराए अध्ययन से पता चला है कि इस पूरी कवायद का उद्देश्य मौजूदा रुझान को बदलना है, जिसके तहत भारत से जाने वाले 35 फीसदी अंतरराष्ट्रीय यात्री दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे विदेशी शहरों से होकर गुजरते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'हब ऐंड स्पोक' मॉडल देश में छोटे शहरों से यात्रियों को हब एयरपोर्ट तक पहुंचने और वहां से आसानी से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ने में सक्षम बनाता है। इसके लिए उन्हें अपना सामान दोबारा लेने, उसे फिर से चेक-इन करने या कस्टम्स से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। जब वे देश वापस आते हैं, तो यह प्रक्रिया उलट जाती है।

एशिया को ऑटो इंडस्ट्री का बादशाह बनाने में चीन जापान और भारत का बड़ा योगदान

साल 2025 में वैश्विक वाहन उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़कर 9.64 करोड़ हो गया

नई दिल्ली।

साल 2025 में वैश्विक स्तर पर वाहनों की वृद्धि दर कहीं ज्यादा रही तो कहीं कम, लेकिन इसमें एशिया-प्रशांत विस्तार के मुख्य संचालक के तौर पर उभरा है। यह कहना है इंटरनैशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ मोटर व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के अध्यक्ष शैलेश चंद्र का। बीजिंग मोटर शो में बातचीत में उन्होंने यह जानकारी दी। हालांकि साल 2025 में वैश्विक वाहन उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़कर 9.64 करोड़ हो गया और बिक्री 4.7 फीसदी बढ़कर 9.98 करोड़ तक पहुंच गई, लेकिन चंद्र ने इस बात पर जोर दिया कि यह रफ्तार हर जगह एक जैसी नहीं रही। एशिया-प्रशांत ने उत्पादन में 7.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ इस तेजी का नेतृत्व किया जबकि यूरोप और अमेरिका में क्रमशः 0.8 फीसदी और 2.1 फीसदी की गिरावट आई। इससे जाहिर होता है कि वैश्विक वृद्धि एक साथ होने वाले सुधार के बजाय 'अलग-अलग' थी। रिपोर्ट के मुताबिक एशिया-प्रशांत ने अब उद्योग के केंद्र के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वैश्विक वाहन उत्पादन में इस क्षेत्र की 61 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी है। इसमें चीन, जापान और भारत का बड़ा योगदान है। यह क्षेत्र मांग के मामले में भी आगे हैं, जहां वाहनों की बिक्री 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है और विनिर्माण के सबसे बड़े हब और खपत के बाजार, दोनों ही तौर पर इसकी दोहरी भूमिका और मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक वाहन उद्योग तकनीकी बदलावों, भू-राजनीतिक दबावों और अलग-अलग सरकारों की नीतियों के कारण नए सिरे से आकार ले रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माता कुछ बाजारों में धीमी वृद्धि, अन्य बाजारों में कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा व्यापारिक दबावों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, खर्च उठाने की क्षमता, ऊर्जा की कीमतों और इलेक्ट्रिफिकेशन की रफ्तार से जुड़ी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

खाताधारक की मृत्यु के बाद बैंक को डेथ सर्टिफिकेट देना जरुरी तभी निकलेगा पैसा

ओडिशा में जितु ने मृत बहन के कंकाल को बतौर सबूत बैंक को दिखाने पहुंचा

क्योंझर।

ओडिशा के क्योंझर जिले एक व्यक्ति अपनी मृत बहन के कंकाल के अवशेष कब्र से निकालकर बैंक पहुंचा, क्योंकि उसके खाते से पैसे निकालने के अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया गया था। यह घटना पटना पुलिस थाना क्षेत्र के मल्लिपाशी गांव की है। बैंक ने बहन के नाम पर जमा 19,300 रुपए देने से इनकार कर दिया क्योंकि डेथ सर्टिफिकेट नहीं था। निराश और अशिक्षित जितु ने हड्डियों को ही मौत का सबूत मानकर बैंक को दिखाने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस के समझाने पर उन्होंने हड्डियां फिर से दफन कर दीं और डेथ सर्टिफिकेट बनाने की सलाह दी। जीतू मुंडा कई बार बैंक जाकर अपनी मृत बहन के खाते से पैसे निकालने की अनुमति मांग चुका था उसने बैंक को उसकी मौत की जानकारी भी दी, लेकिन कर्मचारियों ने हर बार उसका अनुरोध ठुकरा दिया।

बैंक अधिकारियों का कहना था कि लेनदेन के लिए खाताधारक की खुद मौजूदगी जरूरी है, इसलिए वे पैसे नहीं दे सकते थे। खाता धारक की मौत होने पर बैंक आमतौर पर बिना डेथ सर्टिफिकेट के पैसे नहीं देता है। डेथ सर्टिफिकेट मौत का आधिकारिक प्रमाण होता है, जो स्थानीय नगर निगम, ग्राम पंचायत या स्वास्थ्य विभाग से जारी होता है। बैंक को यह साबित करना पड़ता है कि खाता धारक की वाकई मृत्यु हो चुकी है, ताकि गलत व्यक्ति पैसे न निकाल ले। अगर मृतक ने बैंक में नॉमिनी नामित किया था, तो नॉमिनी को मुख्य रूप से तीन चीजें जमा करनी पड़ती हैं। इसमें डेथ सर्टिफिकेट, क्लेम फॉर्म और अपना पहचान पत्र शामिल होता है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक नॉमिनी को पैसे मिल जाते हैं और बैंक को लीगल हेयर या सक्सेशन सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं पड़ती। नॉमिनी पैसे लीगल हेयर्स की ओर से ट्रस्टी की तरह लेता है। बैंक को दावा मिलने के 15 दिनों के अंदर क्लेम सेटल करना होता है। बिना नॉमिनी के लीगल हेयर्स को डेथ सर्टिफिकेट के अलावा रिलेशनशिप प्रूफ, लीगल हेयर सर्टिफिकेट या सक्सेशन सर्टिफिकेट जमा करना पड़ सकता है 1 हालांकि, आरबीआई के हालिया नियमों के मुताबिक व्यावसायिक बैंकों में 15 लाख रुपए तक के छोटे क्लेम्स के लिए दस्तावेजों में छूट दी गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी से आयी है। इसके अलावा दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में बढ़त से भी बाजार उछला है हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। आज सुबह 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। सुबह 9:23 बजे यह 327.96 अंक बढ़कर 77,214.87 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। आज अदाणी पावर, बजाज फाइनेंस, सेमइंडिया प्रोजेक्ट्स, फेडरल बैंक, फिनो पेमेंट्स बैंक, फोर्स मोटर्स, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, ग्रेन्यूल्स इंडिया, एचईजी, आईआईएफएल फाइनेंस सहित कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आयेंगे जिस पर भी बाजार की नजरें होंगी। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिली हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमशः 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में उछाल देखा गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के परिणामों का इंतजार हो रहा है। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स दोनों के फ्यूचर्स में 0.16 फीसदी की बढ़त रही। वॉल स्ट्रीट के बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में 0.49 फीसदी और 0.90 फीसदी की गिरावट रही।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतुः

ललित गर्ग

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ...

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दशार्ता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्न के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश

की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दशार्ता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

संपादकीय

लद्दाख में नई पहल

जम्मू-कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद-दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

आस्था,आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

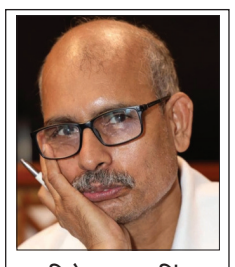

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा–विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प...

जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं। यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग रू.6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है। वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव–यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ।रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मयार्दा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है–मनुष्य एक यात्री है, जो आया है और आगे बढ़ जाएगा। 'काश्यां मरणान्मुक्तिः' का शास्त्रीय वचन यहाँ अनुभव बन जाता है।इसी आध्यात्मिक यात्रा के समानांतर भारतीय रेल की विकास यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ रही है। वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन इस बात का प्रतीक है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिकता की ओर कितनी दृढ़ता से अग्रसर है।काशी की संध्या आरती में जब दीपों की पंक्तियाँ गंगा में तैरती हैं,तो वह दृश्य यह संदेश देता है कि जीवन का सार केवल उपलब्धियों में नहीं,बल्कि आत्मबोध में है। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यहाँ जीवंत हो उठता है।

अयोध्या से काशी तक की यह यात्रा केवल दूरी नहीं,बल्कि उस आध्यात्मिक पथ का प्रतीक है, जहाँ राम की मयार्दा और शिव की मुक्तता एक साथ अनुभव होती है। और जब इस पूरी यात्रा को मैं एक साक्षी भाव से देखता हूँ,तो यह अनुभव होता है कि जीवन स्वयं एक 'अमृत भारत एक्सप्रेस' है -निरंतर गतिमान, सतत शिक्षाप्रद और अनवरत प्रवाहमान।प्रधानमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी अब केवल अतीत की गौरवगाथा नहीं,बल्कि भविष्य की विकासगाथा भी है।यह वह भूमि है,जहाँ आस्था की जड़ें जितनी गहरी हैं,विकास की शाखाएँ उतनी ही विस्तृत हो रही हैं।

जय काशी विश्वनाथ... जय श्रीराम... भारत की यह यात्रा अनंत

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025...

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आई हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की होड़ बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजिक

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज़ मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था।

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट: सिर्फ 5-7 दिनों का कच्चा तेल शेष, पेट्रोलियम मंत्री परवेज मलिक ने कबूली लाचारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने चेताया है कि देश के पास अब केवल पांच से सात दिनों का कच्चा तेल शेष बचा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और लाल सागर में उपजे संकट ने पाकिस्तान की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में तेल की नई खेप नहीं पहुंचती है, तो देश में परिवहन और उद्योग पूरी तरह ठप हो सकते हैं। मंत्री मलिक ने भारत की रणनीतिक क्षमता का जिक्र करते हुए अपनी बेबसी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास कोई ठोस ऑयल रिजर्व नहीं है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि हम भारत की तरह सक्षम नहीं हैं। भारत एक सिग्नेचर करके अपने रिजर्व से 60-70 दिनों का तेल रिलीज कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि यहां बाहरी झटकों को सहने की रत्ती भर भी क्षमता नहीं बची है। पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि देश के पास एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं है। उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को इस संकट की मुख्य वजह बताया। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को तत्काल एक प्रभावी ऊर्जा सुरक्षा योजना की आवश्यकता है, अन्यथा देश पूरी तरह ठप हो सकता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने पाकिस्तान की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने साफ कर दिया है कि वे रूसी और ईरानी तेल पर दी गई छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएंगे। बेसेंट ने कहा कि ईरान के लिए अब कोई रियायत नहीं होगी। अमेरिका ने प्रभावी रूप से नाकाबंदी कर रखी है, जिससे ईरानी तेल की आपूर्ति रुक गई है। रूस से तेल खरीद पर मिलने वाली छूट भी खत्म होने वाली है। इन वैश्विक प्रतिबंधों और घरेलू भंडारण की कमी ने पाकिस्तान को दोतरफा संकट में फंसा दिया है। कच्चे तेल की कमी से रिफाइनरियों के बंद होने का खतरा है। यदि जल्द ही आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो पाकिस्तान में परिवहन और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है। सरकार अब भंडारण क्षमता को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण यह राह बेहद कठिन नजर आ रही है।

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता, अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे।बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारिट जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी।इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार,

अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

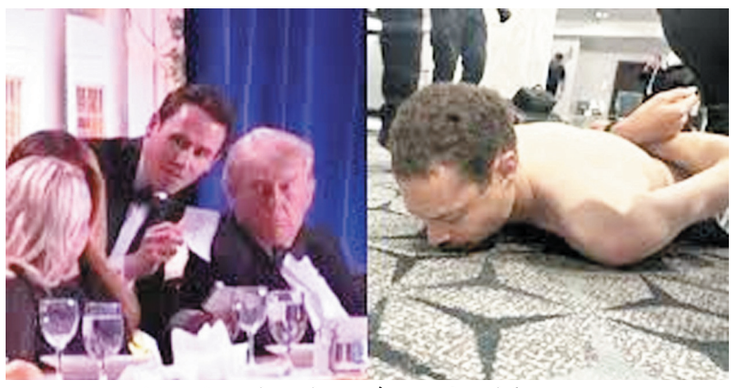

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।' जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है।

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार : जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन : एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई।

गहराई से चल रही जांच : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या आरोपी को किसी बाहरी व्यक्ति या संगठन की मदद मिली थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध के होटल के कमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और यात्रा इतिहास से अतिरिक्त सबूतों की समीक्षा की जा रही है। आरोपी की इस काम में किसी ने मदद की थी या नहीं, उसकी भी जांच की जा रही है।

रुबियो ने कहा- ईरान का नया शांति प्रस्ताव उम्मीद से बेहतर, परमाणु हथियार क्षमता पर क्या बोले?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि तेहरान की ओर से हाल में भेजा गया नया प्रस्ताव अमेरिका की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे बड़ी शर्त यही होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से जो नया ढांचा पेश किया गया है, उसमें पहले चरण में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सुझाव शामिल है। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर विस्तृत बातचीत को आगे बढ़ाने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारी फिलहाल इस चरणबद्ध प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्वीकार होगा या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समझौता नहीं होता है तो उसके परिणाम क्या होंगे, इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। रुबियो ने कहा कि परमाणु मुद्दा ही वह वजह है जिसके कारण यह पूरा संकट शुरू हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम आज भी क्षेत्रीय तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान फिलहाल समय खरीदने की रणनीति पर काम कर रहा है। रुबियो के मुताबिक, ईरान के वार्ताकार बेहद अनुभवी हैं, इसलिए अमेरिका को ऐसा समझौता चाहिए जो निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करे कि ईरान किसी भी समय तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे न बढ़ सके।अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि ईरान के भीतर आंतरिक सत्ता संघर्ष और निर्णय प्रक्रिया भी बातचीत को जटिल बना रही है।

ट्रंप के जीत वाले दावे पर ईरान ने लेगो स्टाइल में लिए मजे, सोशल मीडिया पर छिड़ा मीम युद्ध!

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। यह मोर्चा किसी सीमा पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर सक्रिय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही सैन्य तल्खी अब मीम युद्ध में बदल गई है। इस बार ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधने के लिए लेगो-स्टाइल एआई मीम का सहारा लिया है। आइए, जानते हैं कि क्या है पूरा मामला। घाना स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में डोनाल्ड ट्रंप को सोते हुए दिखाया गया है। वीडियो में उनके सलाहकार आपस में बहस कर रहे हैं। सलाहकार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को जगाया जाए या नहीं। जब एक सहायक उन्हें जगाने का सुझाव देता है, तो दूसरा जवाब देता है कि उन्हें परेशान न किया जाए। दूसरा सहायक कहता है कि राष्ट्रपति अभी ईरान को हराने का सपना देख रहे हैं। इस वीडियो के साथ एक तीखा कैप्शन भी लिखा गया है। इसमें लिखा है, 'वह सपना देख रहे होंगे कि उन्होंने ईरान को हरा दिया है। उन्हें सोने दें।' घाना स्थित ईरानी दूतावास टोगो और लाइबेरिया के लिए भी मान्यता प्राप्त है। इस दूतावास के आधिकारिक अकाउंट से पोस्ट किया गया यह वीडियो अब जंगल की आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गया है।

28 फरवरी 2026 को शुरू हुई सैन्य झड़पें अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुकी हैं। एक तरफ ट्रंप प्रशासन लगातार ईरान पर बड़ी सैन्य जीत के दावे कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, ईरान शब्दों और डिजिटल तस्वीरों के जरिए इस नैरेटिव को काटने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर जनता की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं काफी बंटी हुई हैं। कुछ लोग इसे मजा के तौर पर देख रहे हैं तो कुछ लोगों ने ऐतराज भी जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आप लोग असल में यह नहीं समझते कि अमेरिका कैसे काम करता है। आपका युद्ध राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं है। वह तो सिस्टम का एक छोटा हिस्सा हैं जो थोड़े मुखर हैं। कार्टून बनाकर चमत्कार की उम्मीद करना कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।' बताते चलें कि जमीन पर सैन्य स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है, लेकिन डिजिटल दुनिया में यह जंग हर दिन नई शक्ल ले रही है।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल?

हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम, एफबीआई चीफ का नहीं था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल।

अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की

वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

हमलावर ने बनाए थे कड़े नियम

बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था 'लॉ एन्फोर्समेंट' यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची।

मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासे

कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, 'प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।' चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था।

25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम

यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा-तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रक्षा मंत्री ने किर्गिस्तान के विजय चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को बिश्केक के विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो नाजी जर्मनी पर विजय को समर्पित एक स्मारक है।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स के एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी यात्रा के दौरान किर्गिस्तान के बिश्केक में विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की।' इसके बाद में वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

आतंकवाद पर भारत का कड़ा रुख

रक्षा मंत्री सोमवार को एससीओ बैठक के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंचे। बिश्केक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा,' 27-28 अप्रैल 2026 को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिश्केक पहुंचने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी। 27 अप्रैल 2026

को मानस हवाई अड्डे पर राजदूत सिंह द्वारा स्वागत किया गया।' राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा,' किर्गिस्तान के लिए रवाना होने से पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि वह विश्व में व्याप्त मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे और आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के निरंतर रुख से भी अवगत कराएंगे। मंगलवार को बिश्केक में होने वालें बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा और सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंत्री अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।मंत्रालय ने उल्लेख किया 'इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हो रही है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि

पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं।

लेबनान में इस्राइली हमलों में चार की मौत; यूएन महासचिव ने की होर्मुज को तुरंत खोलने की अपील

लेबनान, एजेंसी। ईरान ने प्रस्ताव में यह भी शामिल है कि इस्राइल से जुड़े या उसके स्वामित्व वाले जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अन्य शत्रु देशों और उनसे जुड़े जहाजों पर भी सख्त प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। ईरान का कहना है कि जिन देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए या विदेशी बैंकों में उसके धन को रोककर आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, उनसे जुड़े जहाजों पर लगाए गए टोल के जरिए उस नुकसान की भरपाई की जाएगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की तैयारी : ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। खास बात यह है कि यह शुल्क डॉलर या किसी विदेशी मुद्रा में नहीं, बल्कि ईरानी करेंसी रियाल में लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी के अनुसार, इस संबंध में 11 बिंदुओं वाला प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे समिति से मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे संसद के मुख्य सदन में पेश किया जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून का रूप ले सकता है।

ईरान ने रूस के साथ बातचीत को बताया सकारात्मक : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे

समय में रूस के साथ हुई बातचीत बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हाल की घटनाएं यह दिखाती हैं कि ईरान और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। अराघची ने कहा कि दोनों देशों के संबंध आगे बढ़ रहे हैं और ईरान रूस के समर्थन को महत्व देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की होर्मुज को खोलने की अपील : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अपील की है। सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि जहाजों को बिना किसी टैक्स या भेदभाव के गुजरने देना चाहिए, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था सांस ले सके। मार्च से इस रास्ते के बंद होने से दुनिया के तेल, गैस और खाद की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इसे कोविड के बाद सबसे बड़ा आर्थिक झटका बताया और सभी पक्षों से बातचीत और संयम बरतने का आग्रह किया।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इस्राइली हमले जारी : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला के रॉकेट और ड्रोन को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि इस खतरे को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी है। नेतन्याहू के मुताबिक, हिजबुल्ला के 122 एमएम रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए तकनीक और सेना का इस्तेमाल करना होगा। सोमवार को इस्राइली सेना ने लेबनान की बेका घाटी और दक्षिणी इलाकों में हिजबुल्ला के 20 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। इनमें हथियारों के गोदाम और रॉकेट लॉन्च पैड शामिल हैं। इन हमलों में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। युद्धविराम के बावजूद इस्राइल का कहना है कि वह किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए हमला करने का अधिकार रखता है।

48 घंटों में तीसरी बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अराघची : ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार को रूस से सीधे इस्लामाबाद पहुंचे। यह यात्रा अमेरिका के साथ संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रहे राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है। प्रेस टीवी के अनुसार, पिछले 48 घंटों में यह उनकी पाकिस्तान की तीसरी यात्रा है।

अराघची की यह नवीनतम यात्रा रूस और ओमान सहित कई देशों में उच्च स्तरीय मुलाकातों की श्रृंखला के बाद हुई है। इससे पहले, अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की, जहां द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। अराघची ने बताया कि पुतिन के साथ उनकी बैठक बहुत अच्छी रही। यह बातचीत डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चली। इसमें अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता और युद्ध पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और क्षेत्र के ताजा हालातों पर भी विचार साझा किए। अराघची ने कहा कि बैठक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अच्छे सुझाव सामने आए। यह मुलाकात अराघची के तीन देशों के राजनयिक दौरे का हिस्सा थी। रूस आने से पहले उन्होंने पाकिस्तान और ओमान की यात्रा भी की थी।

रुद्राक्ष धारण करने से शरीर और मस्तिष्क को मिलते हैं ये 5 फायदे

चित्त और मन शांत रखने में लाभदायी

हिंदू धर्म के अनुसार रूद्राक्ष पहनना शुभ माना जाता है। रूद्राक्ष पहनना केवल धर्म की परंपरा के अनुसार ही शुभ नहीं है, बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। रूद्राक्ष आपके चित्त एवं मन शांत रखने में लाभदायी है। रूद्राक्ष पहनने से व्यक्ति का आध्यात्मिक एवं मानसिक सेहत दोनों को फायदा होता है। रूद्राक्ष में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक गुणों के कारण अद्भुत शक्ति होती है। इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी फलोरिडा के वैज्ञानिक डॉक्टर डेविड ली के अनुसार रूद्राक्ष विद्युत ऊर्जा के आवेश को संचित करता है, जिससे इसमें चुंबकीय गुण विकसित होते हैं। इसे डाय इलेक्ट्रिक प्रापर्टी कहा गया है। रूद्राक्ष की डायनमिक पोलेरिटी अद्भुत होती है, यह आपके मस्तिष्क में कुछ केमिकल्स को प्रोत्साहित करते हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि रूद्राक्ष के क्या-क्या फायदे हैं।

रुद्राक्ष के मानसिक प्रभाव

रूद्राक्ष आपके तन एवं मन दोनों के लिए फायदेमंद है। रूद्राक्ष आपकी बौद्धिक क्षमता एवं स्मरण शक्ति के बेहतर बनाने में फायदेमंद है। इसके अलावा तनाव एवं चिंता की समस्या से परेशान लोगों को रूद्राक्ष धारण करना चाहिए। इससे आपका मानसिक तनाव कम होता है और शरीर की ऊर्जा में वृद्धि होती है। इसके अलावा इसे पहनने से तनाव डिप्रैशन एवं सिर दर्द की समस्या होने के कम आसार रहते हैं।

दिल के लिए भी फायदेमंद रुद्राक्ष

रूद्राख आपके दिल के लिए भी सही माना जाता है। इसमें मौजूद कीमोफार्माकोलॉजिकल विशेषताओं के कारण यह दिल संबंधी समस्यों को दूर करने में मदद करता है। रूद्राक्ष हृदयरोग, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखने में भी प्रभावी है।

अधिक चिकन खाने से लोगों में कम हो रहा है फर्टिलिटी रेट

- जानवरों को मोटा करने दिया जाता है ओक्सिटोसिन इंजेक्शन।
- चिकन खाने से हम छोटी-छोटी मात्रा में लेते हैं ओक्सिटोसिन।
- बीमार मुर्गियों के अंडे और मांस खाने से लोग हो रहे हैं बीमार।

भागती-दौड़ती जिंदगी में हेल्दी रहने के लिए और अधिक से अधिक पोषक-तत्वों का सेवन करने के लिए लोग शाकाहारी चीजों के बजाय मांसाहारी चीजों का सेवन करते हैं। जबकि मांसाहारी पदार्थों से कई सारी बीमारियों होती हैं।

जी, हां। ये खबर सुनकर चौंकने की जरूरत नहीं है। नॉनवेज खाने से कई सारी बीमारियां पैदा होती हैं। खासकर फर्टिलिटी रेट कम होने जैसी समस्या इस कारण ही होती है। दरअसल आजकल जानवरों को ओक्सिटोसिन का इंजेक्शन देकर जल्दी-जल्दी बड़ा और मोटा किया जाता है। उन जानवरों को तो ओक्सिटोसिन का इंजेक्शन जरूर ही दिया जाता है, जिन्हें मांस के लिए काटा जाता है। इस ओक्सिटोसिन के इंजेक्शन द्वारा मोटे और बड़े हुए जानवरों का मांस खाने से शरीर में कई सारी बीमारियां पैदा होती हैं, लेकिन सबसे खतरनाक इसका जो प्रभाव होता है वो ये कि इससे महिलाओं में फर्टिलिटी रेट कम हो जाती है। कोई भी दुकानदार ये तो मानेगा नहीं की उसने अपने बूचड़खाने में पल रहे मुर्गे-मुर्गियों को ओक्सिटोसिन का इंजेक्शन लगाया है। ऐसे में आप दुकानदार की बात मानकर चिकन को साफ और हेल्दी समझकर ले रहे हैं तो अन्य कारणों की भी जानकारी ले लें।

दरअसल इन ढेर सारे मुर्गे-मुर्गियों को जिस जगह में रखा जाता है, वहां उनके लिए सांस लेना भी मुश्किल होता है। इन जगहों में वे ठीक ढंग से चलना-फिरना तो दूर ठीक ढंग से सांस भी नहीं ले पाते। जिसके कारण वे अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। इन बीमार मुर्गियों के अंडे तथा मांस के सेवन से उसमें जो हानिकारक व वायरस बैक्टिरिया उपस्थित होते हैं वे मनुष्य के शरीर में पहुंच जाते हैं तथा उनमें कई सारी बीमारियां पैदा होने का कारण बनते हैं।

रेसिपी

ब्रेड चीज बॉल्स

सामग्री

■ स्लाइस ब्रेड: 4 ■ प्याज (बारीक कटी हुई): 1-2 ■ ब्रेड क्रम्ब्स: 1 कप ■ मोजरेला चीज (कद्दूकस किया हुआ): 1 कप ■ चीज क्यूब्स (कद्दूकस किया हुआ): 1 कप ■ हरी मिर्च (बारीक कटी हुई): 1 टेबलस्पून ■ कलियां लहसुन की कली (बारीक कटी हुई): 3-4 ■ उबले हुए आलू (मैस किए हुए): 3 ■ काली मिर्च पाउडर : 1 टेबलस्पून ■ हरा धनिया: जरूरत के अनुसार ■ तेल: जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वाद के अनुसार

विधि

सबसे पहले एक बाउल में मोजरेला चीज, चीज क्यूब, हरा धनिया, हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर, प्याज और लहसुन डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मसाले के छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर फ्रिज में 10-15 मिनट के लिए रख दें। अब एक कटोरी में पानी लें और इसमें एक-एक कर ब्रेड की स्लाइस डालकर पानी को पूरी तरह से निचोड़ते हुए एक दूसरी कटोरी में रखते जाएं। अब उसी कटोरी में मैश किए हुए आलू , नमक, हरा धनिया डालकर अच्छे से मिला लें। इस तैयार मिश्रण के गोल-गोल बॉल्स बनाकर इसमें गड्ढा कर पहले से तैयार मसाले को बॉल्स को भरते हुए बड़े बॉल्स बना लें। अब बॉल्स की आउटर कोटिंग के लिए एक प्लेट में ब्रेड क्रम्ब्स को फैला लें और सारे बॉल्स को इससे कोट कर लें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर मीडियम आंच पर चढ़ाएं। तेल के गरम होते ही इसमें बॉल्स डालकर गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक फ्राई करते जाएं और एक प्लेट में निकाल कर किनारे रखते जाएं। ऊपर से नींबू का रस डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

वेजिटेबल रायता

सामग्री

■ दही: 1 कप ■ जीरा पाउडर : 1 टीस्पून ■ काला नमक: 1/2 टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ प्याज, बारीक कटी हुई: 1 ■ टमाटर, बारीक काट हुआ: 1 ■ बारीक कटी शिमला मिर्च : 2 टेबलस्पून ■ बारीक कटा खीरा: 3 टेबलस्पून ■ बारीक कटी पुदीनापत्ती:1 टीस्पून ■ धनियापत्ती: 1 टीस्पून ■ हरी मिर्च, बारीक कटी: 2 ■ नमक स्वाद के अनुसार

विधि

वेजिटेबल रायता बनाने से पहले दही को 10-12 मिनट तक फ्रिजर में रख दें। इसके बाद एक बड़े बर्तन में दही लेकर अच्छी तरह फेंट लें। ध्यान रहे दही में एक भी गांठ नहीं रहनी चाहिए। इसके बाद दही में जीरा पाउडर, काला नमक, काली मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और स्वाद के अनुसार नमक डालकर अच्छी तरह फेंट लें। इसके बाद दही में बारी-बारी से सब्जियां डालेंगे। वेजिटेबल रायता के लिए दही में सबसे पहले प्याज, खीरा और शिमला मिर्च डालकर मिलाएंगे। फिर इसमें टमाटर, धनिया और पुदीने की पत्तियां और इसके बाद हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसे सर्विंग बाउल में डालकर सर्व करें। यह रायता अपने मनपसंद पराठों के साथ खाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष – चू चे चो ला ली लू ले लो आ
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष – इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन – का की कू घ ड छ के को हा
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क – ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह – मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या – टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला – रा री रु रे रो ता ती तू ते
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक – तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु – ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर – भे जा जी खी खू खे खो गा गी
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ – गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन – दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

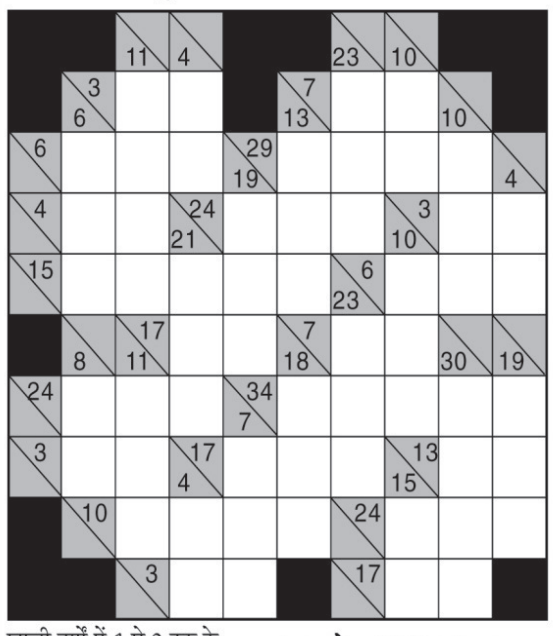

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

काकुरो पहेली - 4039

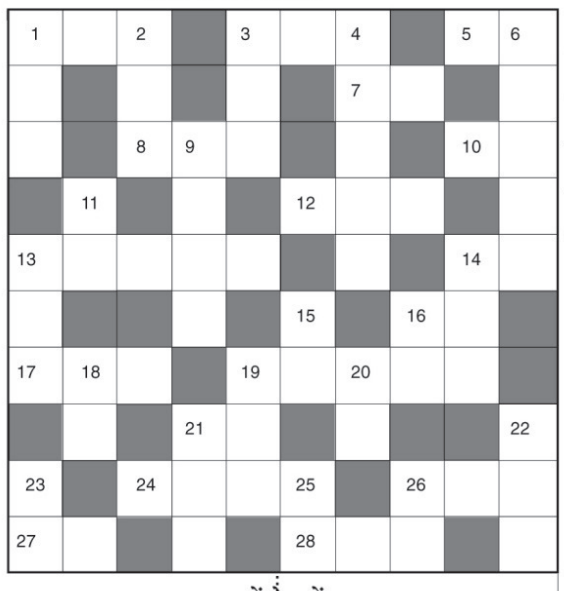

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 4038 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 4039

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली -4038

सूडोकु -4039

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4038 हल

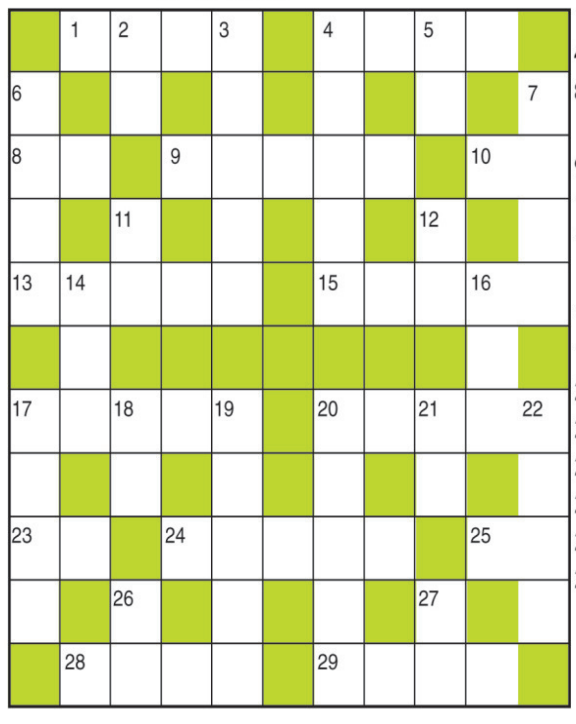

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली -4039

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली 4038 का हल

सरसंघचालक डॉ. भागवत दो मई को मुंबई में 'कर्मयोगी एकल शिक्षक मेला' में करेंगे संवाद

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 02 मई को मुंबई में आयोजित 'कर्मयोगी एकल शिक्षक मेला' में वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए कार्यरत शिक्षकों के साथ संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य के आदिवासी विकास मंत्री प्रो. अशोक उइके भी उपस्थित रहेंगे। नागपुर स्थित कै. लक्ष्मणराव मानकर स्मृति संस्था के संचालित एकल विद्यालय पहल को अब विदर्भ से बढ़ाकर पूरे महाराष्ट्र में विस्तार देने की योजना तैयार की गई है। इस कार्यक्रम में इसी विस्तार योजना की विस्तृत जानकारी भी साझा की जाएगी। करीब तीन दशक पहले शुरू हुई इस पहल ने विदर्भ के दूरस्थ वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में गढ़चिरौली, मेलघाट सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 1300 विद्यालयों के माध्यम से 30 हजार से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 1800 से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं। संस्था ने अब पूरे महाराष्ट्र में इस मॉडल को और विस्तारित करने का लक्ष्य रखा है। योजना के तहत 5 हजार विद्यालय, 6 हजार शिक्षक तथा 01 लाख वनवासी विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

महिला आरक्षण के लिए पीएम मोदी ने किए प्रयास, विपक्ष ने रची साजिश : सीएम योगी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा 'महिला सम्मेलन' में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर तीखा प्रहार भी किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी सिक्किम और पश्चिम बंगाल के दौरे के बाद सीधे काशी पहुंचे हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि समाज में केवल चार ही प्रमुख वर्ग हैं, नारी, गरीब, युवा और अन्नदाता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दृष्टिकोण व्यापक है और इसके सकारात्मक परिणाम विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी को लेकर पहले जो धारणा थी, वह अब पूरी तरह बदल चुकी है और यह शहर आज दुनिया भर के आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास और विरासत का सुंदर समन्वय देखने को मिल रहा है और काशी आज नए स्वरूप में वैश्विक मंच पर उभर रही है।

रेल मार्गों व सार्वजनिक स्थानों पर धमाकों से आतंक फैलाना चाहते थे कट्टरपंथी

चंडीगढ़। डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि शंभू रेलवे ट्रैक पर हुए धमाका मामले में पकड़े गए चार कट्टरपंथियों से पूछताछ के आधार पर इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना परदीप सिंह खालसा है, जो खालिस्तानी विचारधारा से प्रभावित होकर 'चलदा वहीर चक्रवर्ती, अटारिए' नामक संगठन चला रहा था। वह मलेशिया स्थित खालिस्तानी उग्रवादी समूहों और पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों के संपर्क में था। इनका मकसद पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम देकर शांति भंग करना और दहशत का माहौल पैदा करना था, जिसके लिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों द्वारा इन्हें भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार मुहैया कराए गए थे। डीआईजी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मॉड्यूल का सरगना परदीप सिंह खालसा अपने साथियों के साथ पंजाब के प्रमुख रेलवे मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर बम धमाके कर राज्य में उग्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है। इस संबंध में थाना कोतवाली पटियाला में मामला दर्ज किया गया है। डीआईजी ने बताया कि पुलिस टीमों ने परदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह बग्गा, सतनाम सिंह सत्ता और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को आज बड़ी नदी बांध रोड के पास कूड़े के ढेर के निकट से गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद बरामद किया। डीआईजी ने कहा कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है। उन्हें अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा, ताकि विदेशों में बैठे खालिस्तानी समर्थकों से उनके संबंधों और विदेशी फंडिंग की गहराई से जांच की जा सके।

शिवराज सिंह चौहान ने जम्मू-कश्मीर में 330 नई सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ किया

श्रीनगर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कच्चे मकानों में रह रहे सभी पांच लाख परिवारों को भौतिक सत्यापन के बाद पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के द्वितीय बैच के तहत 3,550 करोड़ रुपये की लागत से 1,600 किलोमीटर लंबी 330 नई सड़क परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। श्रीनगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि पांच लाख परिवारों के पास स्थायी आवास नहीं है। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के बाद मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर में कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। हम जम्मू-कश्मीर को सर्वोपरि मानते हैं। पीएमजीएसवाई चरण-चार, प्रथम बैच के तहत सड़क परियोजनाओं को मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य था और द्वितीय बैच में भी मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य है।

थरूर ने रिजिजू के बयान को किया खारिज, कहा- कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण के पक्ष में रही

एजेंसी

नागपुर। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने दावा किया था कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक तरह से स्वीकार किया है कि कांग्रेस पार्टी महिला विरोधी है। रिजिजू के इस बयान को कांग्रेस नेता ने खारिज कर दिया है। थरूर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण के पक्ष में रही है।

रिजिजू का दावा

बता दें कि किरण रिजिजू ने एक साक्षात्कार में कहा कि संसद सत्र के बाद हुई बातचीत में थरूर ने कहा था कि कांग्रेस को महिला विरोधी माना जा सकता है, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई महिला विरोधी नहीं कहेगा। इस बयान का समर्थन भाजपा नेता सीआर केसवन ने भी किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर दोहरा रवैया अपनाती है और अपने लंबे शासनकाल में महिला आरक्षण लागू नहीं कर सकी। उन्होंने शाह बानो मामले का भी उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप

कांग्रेस महिला आरक्षण को

तुरंत लागू करने के पक्ष में: थरूर

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के दावे के खारिज करते हुए शशि थरूर ने स्पष्ट किया कि पूरे सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि मैंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा या संकेत नहीं दिया। फोटो में मौजूद सात गवाह इसकी पुष्टि कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मंत्री जी कह रहे हैं कि यही उनका मतलब था, लेकिन नहीं सर, यह मेरा मतलब नहीं था। मैंने किसी भी तरह से इस बात से सहमति नहीं जताई। थरूर एक्स पर लिखा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के अधिकारों और आरक्षण के पक्ष में रही है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक की पहल की, इसे राज्यसभा में पारित कराया और 2023 में लोकसभा में भी इसका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने के पक्ष में है और इसे परिसीमन से जोड़ने के खिलाफ है।

नारी शक्ति वंदन विधेयक जनभावनाओं के बावजूद पारित न होना दुर्भाग्यपूर्ण : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय पर चर्चा के लिए एकत्र हुए हैं, जो केवल एक विधायी प्रक्रिया का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश की आधी आबादी के सम्मान, अधिकार, और प्रतिनिधित्व से जुड़ा हुआ प्रश्न है। उन्होंने कहा कि लोकसभा के विशेष सत्र में 131वां संविधान संशोधन विधेयक 2026, महिला आरक्षण से संबंधित एक महत्वपूर्ण पहल पर व्यापक चर्चा हुई थी। देश भर में अपेक्षाएं जगी और एक सकारात्मक परिणाम की आशा की जा रही थी। लेकिन यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी विस्तृत चर्चा और जनभावनाओं के बावजूद यह विधेयक पारित नहीं हो सका। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह मुद्दा खत्म नहीं हुआ है, यह केवल एक पड़ाव है जिसमें देरी हुई है। इतिहास गवाह है कि सामाजिक न्याय से जुड़े बड़े निर्णयों में कभी-कभी समय लगता है, लेकिन जन समर्थन और सतत प्रयास अंततः परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में जब बिल प्रस्तुत हुआ, उसके बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने कहा कि हमारे लिए देश ही सर्वोपरी है, लेकिन जब कुछ लोगों के लिए दल हित सब कुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है, तो नारी शक्ति को, देश हित को, इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है।

राजा रघुवंशी हत्याकांडः शिलांग कोर्ट से सोनम रघुवंशी को मिली जमानत, पीड़ित परिवार को लगा झटका

एजेंसी

नई दिल्ली। मेघालय की राजधानी शिलांग की एक अदालत ने चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत दे दी है। कई महीनों से जेल में बंद सोनम को चौथी जमानत याचिका पर राहत मिली, जबकि इससे पहले उसकी तीन जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी थीं। इस फैसले से पीड़ित परिवार को गहरा झटका लगा है।

कई महीनों से जेल में बंद थी सोनम

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुंवंशी की हत्या से जुड़े इस मामले में अदालत ने सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका मंजूर कर ली। इस खबर की पुष्टि मृतक के भाई विपिन रघुवंशी ने की। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है और वह इस केस की मुख्य आरोपी मानी जाती है। लंबे समय से वह शिलांग की जेल में बंद थी और लगातार जमानत के लिए प्रयास कर रही थी।

अन्य आरोपियों को पहले ही मिल चुकी है जमानत

इस मामले में अन्य आरोपियों लोकेंद्र सिंह तोमर, बलबीर अहिरवार और शिलॉम जेम्स को पहले ही जमानत मिल चुकी है। हालांकि कथित सहयोगी राज रघुवंशी अब भी न्यायिक हिरासत में है। परिवार के मुताबिक,

अदालत का यह फैसला उनके लिए बड़ा झटका है और न्याय की उनकी लड़ाई को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि वे आगे कानूनी विकल्पों पर विचार करेंगे।

क्या है मामला

यह मामला मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की कथित हत्या से जुड़ा है, जिसमें उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी को मुख्य आरोपी बनाया गया है। इस हत्याकांड ने अपने सामने आने के बाद व्यापक सुर्खियां बटोरी थीं और जांच के दौरान कई चौंकाने वाले पहलू सामने आए थे। शिलांग कोर्ट से सोनम रघुवंशी को मिली जमानत इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड में एक अहम मोड़ मानी जा रही है। हालांकि, जमानत मिलने का मतलब आरोपों से बरी होना नहीं है। अब इस मामले में आगे की सुनवाई और ट्रायल पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अंतिम सच्चाई सामने आएगी।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय का 'समन्वय 2026' समारोह संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली । इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का वार्षिक पुरस्कार समारोह 'समन्वय 2026' उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन महाविद्यालय की प्रतिभा, उपलब्धियों और उत्कृष्टता का उत्सव रहा, जिसमें छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में महाविद्यालय की समृद्ध विरासत की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान लगातार ऐसे युवा तैयार कर रहा है, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए छात्राओं को बदलती दुनिया में 'क्रिटिकल थिंकिंग' और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती भूमिका और भविष्य में इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने की। उन्होंने अपने संबोधन में संस्थान की मजबूत शैक्षणिक परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत किए जा रहे नवाचारों और विभिन्न सहयोगों की जानकारी दी। उन्होंने परिसर में सततता, छात्र कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण महाविद्यालय की नई आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ रहा, जिसे शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वालों को इतिहास माफ नहीं करेगा : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) पर चर्चा के दौरान पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह विधेयक देश की आधी आबादी को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक प्रयास था। उन्होंने कहा कि लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और विधान परिषदों में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम था, लेकिन कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, डीएमके और अन्य विपक्षी दलों ने मिलकर इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित करने का कार्य किया। सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किया है। पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से लाखों महिलाएं आज निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनी हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य

तथा सामाजिक विकास के क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक महिला सहभागिता मॉडल का उदाहरण है। सिरसा ने कहा कि देश की 50 प्रतिशत आबादी को उनका अधिकार देने के लिए प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाये। यदि यह विधेयक पूर्ण रूप से लागू होता, तो लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत हमारी बहन-बेटियां निर्णय लेने वाली भूमिका में होतीं। यह केवल आरक्षण नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र को और मजबूत करने का कदम था। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक के ऐतिहासिक संदर्भ को रखते हुए कहा कि 1996 से लेकर 2010 तक कई बार इस विधेयक को आगे बढ़ाने का प्रयास हुआ, लेकिन कांग्रेस ने बार-बार इसे रोकने का काम किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने भी चार बार इसे सदन में लाने का प्रयास किया, परंतु विपक्ष के विरोध के कारण यह सफल नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि 2010 में राज्यसभा से विधेयक पारित होने के बाद देश की महिलाओं को उम्मीद जगी थी, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने उसे लोकसभा तक पहुंचने नहीं दिया। 2023 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने इसे फिर आगे बढ़ाया, तब भी विपक्ष ने हिचकिचाहट और राजनीतिक स्वार्थ के साथ इसका विरोध किया। सिरसा ने कहा कि यदि 131वें संविधान संशोधन के माध्यम से सीटों का विस्तार और 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होता, तो लोकसभा में 200 से अधिक महिलाएं प्रतिनिधित्व करतीं और देशभर में महिला नेतृत्व का एक नया अध्याय शुरू होता। उन्होंने डिलिमिटेशन (परिसीमन) के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा फैलाए गए भ्रम की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक आवश्यकता है, राजनीतिक विकल्प नहीं। जनसंख्या वृद्धि और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए सीटों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को विपक्षी दलों का समर्थन न मिलने के विरोध में भाजपा ने निकाला मशाल जलूस

एजेंसी

नई दिल्ली। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को कांग्रेस, आम आदमी पार्टी जैसे विपक्षी दलों के संसद में समर्थन न देने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कनाट प्लेस में मशाल जुलूस निकाला। कनॉट प्लेस के मैट्रो स्टेशन गेट 6 से शुरू होने वाले मशाल जुलूस में दिल्ली के विभिन्न समाज वर्गों की महिलाओं के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा भी सम्मिलित हुए।

इस विरोध प्रदर्शन में सांसद कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज एवं स्वाति मालीवाल के साथ वरिष्ठ महिला नेता योगिता सिंह, शिखा रॉय, मोनिका पंत, ऋचा पांडेय और अनेक महिला विधायक एवं पार्षद भी पहुंचीं।

बिहटा में एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र के उद्घाटन से 'मेक इन बिहार' को मिलेगी नई रफ्तार : मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना । बिहार के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की पहल के तहत पटना के बिहटा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संयुक्त रूप से केंद्र का शुभारंभ किया। यह केंद्र राज्य में तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि आज का दिन बिहार के औद्योगिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि बिहटा में स्थापित यह प्रौद्योगिकी केंद्र और इसके विस्तार केंद्र आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं और उद्यमियों को सशक्त बनाएंगे। इससे उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इसे 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक ठोस पहल बताया।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि यह टेक्नोलॉजी सेंटर 'मेक इन बिहार' के विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से औद्योगिक प्रगति की ओर अग्रसर है और यह केंद्र उस परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनेगा। राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को बेहतर कौशल, आधुनिक संसाधन और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे केवल रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक भी बन सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र निवेश, नवाचार और उद्यमिता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बिहटा में स्थित यह प्रौद्योगिकी केंद्र अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है, जो इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही बिहार की पारंपरिक अर्थव्यवस्था को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के लाभार्थियों को विभिन्न सहायता प्रदान की गई। पीएम विश्वकर्मा योजना और ग्रामोद्योग विकास योजना के लाभार्थियों को टूलकिट वितरित किए गए, जबकि पीएमईजीपी योजना के लाभार्थियों को चेक सौंपे गए। इसके अलावा एससी/एसटी हब योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए। इन योजनाओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

उद्योग विभाग, बिहार सरकार लगातार इस प्रकार की पहलों के माध्यम से राज्य में औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, निवेश आकर्षित करने और व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

भारतीय जहाज 'सुनयना' सिंगापुर के चांगी नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा, समुद्री सहयोग होगा मजबूत

नई दिल्ली। हिंद महासागर पोत आईएनएस सुनयना सिंगापुर के चांगी नौसेना अड्डे पर पहुंच गया है, जहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे भारत-सिंगापुर के मजबूत समुद्री संबंधों की पुष्टि हुई। यह जहाज 29 अप्रैल को सिंगापुर से रवाना होकर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को मजबूत करने और सामूहिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखेगा। भारतीय जहाज सुनयना को महासागर क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति की परिकल्पना के अंतर्गत तैनात किया गया है। आईओएस सागर तैनाती के दौरान चौथे ठहराव के रूप में सिंगापुर के चांगी नौसेना अड्डे पर रुका है। 16 मित्र विदेशी देशों (एफएफसी) के बहुराष्ट्रीय दल वाला यह पोत हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात है और सिंगापुर पहुंचने से पहले माले, फुकेत और जकार्ता में बंदरगाहों पर रुक चुका है।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ विधानसभा में निंदा प्रस्ताव पारित

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा का 'नारी सम्मान-लोकतंत्र में अधिकार' विषय पर एक दिवसीय विशेष सत्र में भाजपा ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की मौजूदगी में नारी आरक्षण विधेयक को लेकर उनके नकारात्मक रुख की निंदा का प्रस्ताव पारित करा दिया। इस घटनाक्रम ने विपक्ष को असहज स्थिति में ला दिया। बाद में शाम 6 बजकर 10 मिनट पर सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मंगलवार को उत्तराखंड विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 'नारी सम्मान-लोकतंत्र में अधिकार' विषय पर आयोजित किया गया। इस सत्र के दौरान महिला सशक्तिकरण,अधिकारों और समान भागीदारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। सत्र में विभिन्न दलों के सदस्यों ने अपने विचार रखे और महिला अधिकारों को लेकर नीतिगत पहल पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। सत्र में दोनों पक्षों के विधायकों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए

आंगनबाड़ी मानदेय, शिक्षा व्यवस्था और जनहित से जुड़े विषयों पर अपने-अपने विचार रखे। सत्ता पक्ष ने सरकार की उपलब्धियों और नीतियों का पक्ष मजबूती से रखा, जबकि विपक्ष ने विभिन्न मुद्दों पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही की मांग की। सदन में चर्चा के दौरान माहौल कई बार तीखा भी हुआ, लेकिन सदन में लोकतांत्रिक परंपराओं के तहत संवाद जारी रहा। सत्ता पक्ष ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान हुए विभिन्न घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। खटीमा गोलीकांड, मसूरी गोलीकांड और रामपुर तिराहा कांड का भी जिक्र किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों का तथ्यात्मक और स्पष्ट जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न मुद्दों–आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के मानदेय, मदरसा शिक्षा और चारधाम यात्रापर सरकार का रुख विस्तार से रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के मानदेय में वृद्धि कर चुकी है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में भी इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे, क्योंकि कार्यकर्त्रियों की अपेक्षाओं को सरकार समझती है। मदरसा शिक्षा के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'पुरानी कुप्रथाओं और कबीलाई मानसिकता' को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक बच्चों को भी नई शिक्षा नीति से जोड़ा जाएगा, ताकि उन्हें समान अवसर और बेहतर भविष्य मिल सके। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से समाज में सकारात्मक संदेश देने की अपील करते हुए कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम कर रही है। चारधाम यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर राजनीतिक आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने स्वार्थ के लिए इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने का प्रयास कर रही है।

डॉ. अंसारी सेंट्रल जू ऑथोरिटी की 'कंजर्वेशन-ब्रीडिंग' कमेटी में शामिल होने वाले मप्र कैडर के पहले आईएफएस

एजेंसी

भोपाल। देश में वन्य जीव संरक्षण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने ''कंजर्वेशन-ब्रीडिंग' के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति में पहली बार मध्य प्रदेश कैडर के आईएफएस अधिकारी डॉ. ए. अंसारी को शामिल किया गया है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि समिति का गठन देशभर के चिड़ियाघरों में संचालित ''कंजर्वेशन-ब्रीडिंग' गतिविधियों की समीक्षा, मार्गदर्शन और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। इस समिति में मध्य प्रदेश कैडर के आईएफएस अधिकारी डॉ. ए. अंसारी को शामिल किया गया है। डॉ. अंसारी प्रदेश के सिवनी में वर्किंग प्लान अधिकारी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, समिति में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इनमें- डॉ. ए. अंसारी (वर्किंग प्लान ऑफिसर, सिवनी, मध्यप्रदेश), डॉ. मनोज वी. नायर (अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, ओडिशा), डॉ. कार्तिकेयन वासुदेवन (वैज्ञानिक, हैदराबाद) और डॉ. अभिजीत पावडे (भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली) शामिल हैं। समिति का कार्यकाल आदेश जारी होने की तिथि से 6 माह निर्धारित किया गया है। गैर-सरकारी सदस्यों को बैठक शुल्क एवं यात्रा भत्ता केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्राधिकरण समिति को आवश्यक प्रशासनिक एवं सचिवीय सहयोग भी उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने बताया कि ''कंजर्वेशन-ब्रीडिंग' समिति का गठन देश में वन्यजीव संरक्षण और लुप्तप्राय प्रजातियों के वैज्ञानिक प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से संरक्षण प्रजनन कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी, संगठित और परिणामोन्मुख बनाने में मदद मिलेगी। इस समिति के गठन से देशभर के चिड़ियाघरों में संचालित संरक्षण प्रयासों को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद है। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि समिति चिड़ियाघरों में संरक्षण प्रजनन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच करेगी। इनमें–संरक्षण प्रजनन प्रस्तावों की समीक्षा एवं सिफारिशें, वित्तीय सहायता के प्रस्तावों का परीक्षण, प्राथमिकता वाली प्रजातियों की पहचान और सूची का पुनरीक्षण, समन्वयक और सहभागी चिड़ियाघरों की भूमिका निर्धारित करना।

अहमदाबाद में बेंगलुरु का विजय रथ आज गुजरात रोकना चाहेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुजरात टाईट्स और रायल चैलेंजर बैंगलुरु के बीच अहम मुकाबला आज अहमदाबाद में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के आधे चरण के बाद गुजरात टाइटंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ संघर्ष कर रही है, जबकि आरसीबी शानदार फॉर्म में है और 6 जीत के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

आरसीबी की ताकत- गेंदबाजी का दम - आरसीबी की सफलता में उसके तेज गेंदबाजों की बड़ी भूमिका रही है। भुवनेश्वर कुमार अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं जोश हेजलबुड लगातार सटीक लाइन-लेंथ से दबाव बना रहे हैं। मिडिल ओवर्स में कृणाल पंड्या की विविधता भरी गेंदबाजी विरोधी टीम के लिए चुनौती बन रही है।

गुजरात की चिंता- टॉप ऑर्डर पर निर्भरता - गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी काफी हद तक उसके टॉप ऑर्डर पर निर्भर है। शुभगिन

गिल , साई सुर्दशन और जोस बटलर टीम के लिए लगातार रन बना रहे हैं। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में वाशिंगटन सुंदर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर्स अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

पिछला मुकाबला और घरेलू रिकॉर्ड - दोनों टीमों के बीच हाल ही में खेले गए मैच में आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। वहीं गुजरात अपनी घरेलू पिच पर अब तक ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है और मोटेरा में खेले तीन में से दो मुकाबले हार चुकी है।

खिलाड़ियों पर नजर

आरसीबी के लिए विराट कोहली अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके साथ जैकब बेथेल को ओपनिंग का मौका मिल सकता है, जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में कहा- हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं और हर मैच को अलग मानकर खेल रहे हैं। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि हर मैच में कोई ना कोई खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहा है।

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना सिनेमा जैसा

अनुभवी बल्लेबाज पुजारा ने की जमकर तारीफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी लगातार अपने आक्रामक अंदाज से सुर्खियां बटोर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने महज 16 गेंदों में 43 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जिसने राजस्थान रॉयल्स की जीत की नींव रखी।

पुजारा ने की बड़ी तारीफ - भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को खास बताया। उन्होंने कहा- वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना किसी सिनेमा से कम नहीं है। जिस तरह वह बिना किसी डर के हर गेंदबाज पर हमला करते हैं, वह शानदार है। उन्होंने आगे कहा- सबसे खास बात यह है कि विपक्षी टीम जानती है कि वह आक्रमण करेंगे, फिर भी उन्हें रोक पाना मुश्किल होता है। यही निरंतरता टीम को बढ़त दिलाती है।

पावरप्ले में मैच का रुख बदला - सूर्यवंशी की तेज शुरुआत ने पावरप्ले में ही मैच का रुख राजस्थान की ओर मोड़ दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया, जिससे बाद के बल्लेबाजों को आसानी से लक्ष्य का पीछा करने का मौका मिला।

चहल की शानदार गेंदबाजी - हालांकि मैच के बीच में चहल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजाब को मुकाबले में वापस लाने की कोशिश की। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर रन गति पर लगाम लगाई। पुजारा ने चहल की तारीफ करते हुए कहा- चहल ने जिस तरह अपनी विविधता का इस्तेमाल किया, वह शानदार था। दबाव के बावजूद उन्होंने फ्लाइट और स्पीड में बदलाव जारी रखा, जो टी20 में बेहद अहम है।

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

- यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगमी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में

खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम - मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एएआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्रष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म - दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्रष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत - पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम ऋषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर - पहले हाफ में पंजाब स्रष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकाडमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धियों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच - इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

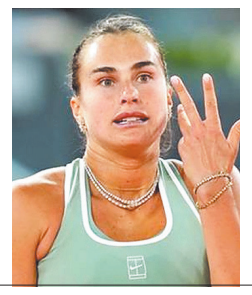

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री - 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट - पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर

बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है।

डब्ल्यूएफआई का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।

विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर

अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशरानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया

गया।

सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

सिंधु ने बाद में कहा, 'यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे।' प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाई और 11-21, 8-21 से हार गईं।

इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया. विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

दूसरे युगल में त्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम की जोड़ी को 59 मिनट तक चले मुकाबले में लूओ जू मिन और झांग शू जियान से 10-21, 21-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

- ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक बार फिर विवादों घिर गई है. इस बार टीम अपने कप्तान रियान पराग के गलत कारणों से सुर्खियों में आई है. यह दाएं हाथ का बल्लेबाज पहले से ही अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में है, और अब एक और विवाद ने उन पर सबका ध्यान खींच लिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक मैच के दौरान लाइव प्रसारण के एक क्लिप में रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।

यह घटना न्यू-चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में कैमरे में कैद हुई. फैंस ने तुरंत इस पल को पकड़ लिया, और तब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है. हालांकि इस मैच को राजस्थान ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया था, जिसकी वजह से पंजाब को इस सीजन पहली हार का सामना करना पड़ा।

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में नेगेटिव किरदार निभा रही हैं गौरी अग्रवाल

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। 'गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि नेगेटिव किरदार बनने के बाद कीर्ति के इंटेंस फैसलों को समझना और इमोशनल स्तर पर उन्हें स्वीकार करना उनके लिए लगातार चलने वाली प्रक्रिया रही है। कीर्ति जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन चीजों को समझना और इमोशनली सही ठहराना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल के साथ भारत अहलावत राघव का किरदार निभा रहे हैं, जबकि आयुषी खुराना रीत की भूमिका में हैं।

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर रकुल प्रीत ने दी सफाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और एक्टर, प्रोड्यूसर जैकी भगनानी साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। इससे पहले दोनों रिलेशनशिप में भी रहे। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते समझते हैं और प्यार करते हैं। लेकिन जैकी भगनानी के हालिया इंटरव्यू ने फैंस के मन में इनके रिश्ते को लेकर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, जैकी भगनानी ने रकुल के साथ अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम दिया। सिचुएशनशिप का नाम उस रिश्ते को दिया जाता है, जिसे लेकर भविष्य में कोई प्लानिंग कपल नहीं बनाना चाहते हैं। इस पूरे मामले पर अब रकुल ने भी अपना नजरिया रखा है। जानिए, जैकी भगनानी के बयान पर वह क्या बोली हैं?

रकुल प्रीत ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर बढ़ते बवाल को देखते हुए शुक्रवार को रकुल प्रीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं, 'आज हम इस बात पर खूब हंसे कि कैसे एक घंटे लंबी बातचीत में से सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां बन जाती है। मेरा मानना है कि हर बात में संदर्भ मायने रखता है। बारीकियां मायने रखती हैं। हमारी बातचीत इससे बेहतर की हकदार है, उसे सिर्फ क्लिकबेट बनाकर रख दिया गया। शायद अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म उन कहानियों के लिए थोड़ी और जिम्मेदारी लें जो वे बनाते हैं।'

आखिर जैकी भगनानी ने क्या बयान दिया था

बीते दिनों एक इंटरव्यू जैकी भगनानी और रकुल ने दिया था। इसी बातचीत में जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे खास बात यह है कि मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाला देता हूं। मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। इसलिए मुझे अपने रिश्ते में घुटन महसूस नहीं होती है।'

रकुल प्रीत का करियर फ्रंट

रकुल प्रीत के करियर की बात करें तो जल्द ही उनकी एक फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई को रिलीज होगी।

अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल किया फाइनल

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल फाइनल कर लिया है। अब जल्द वो निर्देशक टीनू देसाई के साथ अपने इस नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। अहान ने बड़े ही आराम से इसे साजिद नाडियाडवाला से मांगकर अपने नाम रजिस्टर करवा किया। सुनने में आया है कि अहान ने यह टाइटल निर्माता साजिद नाडियाडवाला से सीधे जाकर मांग लिया। इंडस्ट्री में आमतौर पर ऐसे फैसले अंतरिक चर्चाओं और काफी बातचीत के बाद लिए जाते हैं। मगर अहान ने ऐसा नहीं किया। वो सीधे जाकर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से मिले और टाइटल को लेकर बात की। साजिद पहले इसे किसी और फिल्म में उपयोग करने वाले थे। खबरों के अनुसार वो फिल्म भी अहान शेट्टी की ही थी पर अहान ने साजिद को बताया कि वो इस टाइटल को अपने दूसरे प्रोजेक्ट में उपयोग करना चाहते हैं।

'धूम 4' और 'ब्रह्मास्त्र 2' को लेकर रणबीर ने शुरू की तैयारी

अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' में प्रभु राम की भूमिका से रणबीर कपूर ने अपनी नई झलक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। यह फिल्म इसी साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस बेसब्री से रणबीर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभी रणबीर 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन दोनों फिल्मों के बाद रणबीर किस बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं? इन दोनों रणबीर कपूर 'रामायण भाग 1' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग कर रहे है, जो लगभग अक्तूबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। शूटिंग खत्म होने से पहले ही रणबीर ने अगली फिल्मों की योजना बनाना शुरू कर दिया है। रणबीर संदीप रेड्डी वांगा कि 'एनिमल पार्क' से पहले एक और बड़े प्रोजेक्ट पर करना चाहते हैं, जिसकी शूटिंग 2027 के आखिर में शुरू हो सकती है। एक खबर के अनुसार, रणबीर कई स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। उनमें दो बड़ी फिल्में सबसे मजबूत दावेदार हैं। पहली- अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र 2' और दूसरी यश राज फिल्म्स की 'धूम 4'। रणबीर ने दोनों फिल्मों के मूल आइडिया सुन लिए हैं। दोनों की कहानी उन्हें पसंद आई है। लेकिन वे पूरी लिखित स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। 'धूम 4' शुरुआती स्टेज में है। अभी डायरेक्टर भी फाइनल नहीं हुआ है। 'ब्रह्मास्त्र 2' में कास्टिंग की समस्या आ रही है। दीपिका पादुकोण अमृता का रोल करने वाली थीं, लेकिन दोबारा प्रेगनेंसी की वजह से अब दूसरी अभिनेत्री की तलाश की जा रही है। दरअसल, रणबीर 'रामायण 2' और 'एनिमल पार्क' के बीच के समय में एक बड़ी फिल्म करना चाहते हैं। फिलहाल, 'ब्रह्मास्त्र 2' को थोड़ी ज्यादा प्राथमिकता मिल रही है। हो सकता है कि जून 2026 तक रणबीर अंतिम स्क्रिप्ट पढ़कर अपना फैसला ले लेंगे।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ''परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे।

मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी

एक्टिंग के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखने वाली बॉलीवुड अदाकाराओं में अब पत्रलेखा का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म 'टोस्टर' आई है। इसमें उनके पति राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है।

पत्रलेखा कहती हैं कि उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि वह अपनी फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगी। उनकी यह फिल्म एक कंजूस आदमी की कहानी है। बात निकली तो एक मजेदार सवाल ये भी पूछा गया कि राजकुमार राव और उनमें, असल जिंदगी में ज्यादा कंजूस कौन है? 36 साल की नई-नवेली मां ने इसका भी जवाब दिया।

मैं 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहती थी

पत्रलेखा 'टोस्टर' के बनने और प्रोड्यूसर बनने के बारे में बताती हैं, 'हम दोनों (राज और वह) साल 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहते थे, मगर बीच में कोविड महामारी आ गई तो वह नहीं हो पाया, लेकिन मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी, क्योंकि कैमरे के पीछे भी मैं जो करूंगी अच्छे से करूंगी।' मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।

प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है

बकौल पत्रलेखा, 'मेरी जिंदगी का मकसद ही यह है कि मैं शायद 10 चीजें न करूं, एक ही चीज करूं, मगर उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी तो मैंने सोच रखा था कि मैं कैमरे के आगे नहीं रहूंगी। सच कहूं तो मुझे इस जर्नी में बहुत मजा आया। बतौर एक्टर हमें पता नहीं होता कि फिल्म बनाने में कितना काम होता है। प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है। मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। मुझे लगता है कि अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।'

राजकुमार नहीं, मैं हूं कंजूस

'टोस्टर' में राजकुमार राव एक महा कंजूस पति की भूमिका में हैं। क्या असल जिंदगी में भी वह ऐसे हैं? इस सवाल के जवाब में पत्रलेखा पूरी ईमानदारी और बेबाकी से कहती हैं, 'नहीं, राज बिलकुल कंजूस नहीं है। हम दोनों में से मैं कंजूस हूं।' वह आगे हंसते हुए बताती हैं, 'मैंने तो ऐसा भी किया है कि फिल्म के डायरेक्टर विवेक, जो मेरे बचपन के दोस्त हैं, मैं उसको बोलती थी कि मुझे खाना खिलाने लेकर चल और जब बिल देने की बारी आती थी तो मैं उसको बिल पकड़ाकर चली जाती थी।' पत्रलेखा और राजकुमार राव पहले दोस्त थे। फिर लाइफ पार्टनर बने। दोनों साल 2010 से ही साथ हैं। जबकि 15 नवंबर 2021 को दोनों ने पति-पत्नी के रूप में जीवन की नई पारी शुरू की। अब उनकी जिंदगी में बेटी पार्वती पॉल राव भी है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि बेटी का जन्म उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर 15 नवंबर 2025 को हुआ। क्या माता-पिता बनने के बाद दोनों के आपसी रिश्ते बदले हैं। इस पर पत्रलेखा कहती हैं, 'नहीं। पैरेंट्स बनने के बाद भी राज और मैं बिल्कुल नहीं बदले हैं। हम पहले दिन से दोस्त हैं और आज भी दोस्त है। हमारे रिलेशनशिप के चलने की वजह भी यही है कि हम बहुत अचछे दोस्त हैं।'

सफेद बालों

की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खें

चेहरे की सुंदरता के साथ बालों की खूबसूरती भी हमारी पर्सनालिटी में चार चांद लगाती हैं, पर कई बार कुछ परेशानियों की वजह से हमारे बाल झड़ने और सफेद होने लगते हैं। ऐसे में अगर हम अपने बालों की अच्छे से देखभाल नहीं करेंगे तो हमारे बाल हमारी पर्सनालिटी को खराब कर देते हैं।

आजकल ज्यादातर लोग सफेद बालों की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में वह बालों को काला करने के लिए बाजार से कई तरह के हेयर कलर लाकर इस्तेमाल करते हैं, पर यह हेयर कलर अपके बालों की जड़ों को कमजोर बनाते हैं। इसलिए आज हम आपको बालों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खें बताएगें। इन्हें अपनाकर कर आप आपने बालों को कुदरती तौर पर काला कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं...

- आंवला

आंवला एक अत्यंत पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी जैसे अनेकों तत्व भी अच्छी मात्रा में मिल जाते हैं। यह छोटा सा आंवला आसानी से मिलने वाला व सस्ता है। इसका उपयोग सफेद होते बालों की समस्या को दूर करने के लिए भी किया जाता है। इसे मेंहदी में मिलाकर बालों पर लगाने से हमारे बाल काले हो जाते हैं। आप इसे गर्म नारियल तेल में मिलाकर भी बालों पर लगा सकते हैं। - काली मिर्च

वैसे तो काली मिर्च का इस्तेमाल खाने में किया जाता है, पर हम इसका उपयोग सौंदर्य में बालो को काला करने के लिए भी कर सकते हैं। काली मिर्च को पानी में उबाल कर रख लें। आप जब भी बालों को धोएं तो बाद में इस पानी को सिर में डाल लें। नियमित इसका इस्तेमाल करने से आपको इसका असर दिखाई देगा।

- कॉफी और काली चाय

बालों को काला करने के लिए कॉफी और काली चाय का इस्तेमाल करें। बालों को चाय या कॉफी सो धोनें से आपके बाद फिर से काले होने लग जाते हैं। हो सके तो आप दिन में दो बार बालों को कॉफी और चाय के साथ धोएं।

- एलोवेरा

अगर आपके बाल झड़ते हैं तो एलोवेरा जेल में नींबू का रस मिला कर पेस्ट बना ले और बालों में लगाएं। इस तरह करने से आपके बालों का झड़ना भी कम हो जाएगा और बाल काले भी होने लगेगे। - दही

आप दही और हिना को बराबर मात्रा में मिला कर पेस्ट बना लें। बाद में इस पेस्ट को बालों पर लगाएं। इस पेस्ट को हफ्ते में 2-3 लगाने से आपको बाल काले होने लगते हैं।

- प्याज

बालों को काला करने के लिए नहाने से पहले अपने बालों में प्याज का पेस्ट लगाएं। सूख जाने पर पानी से साफ कर लें। ऐसा करने से आपके काले तो होंगे ही साथ ही बालों में चमक आएगी।

- भृंगराज और अश्वगंधा

बालों के लिए भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ों को वरदान माना जाता हैं। भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ों का पेस्ट बनाकर नारियल के तेल में भिगों कर बालों पर एक घंटे तक लगा कर रखें। बाद में गुनगुने पानी से बालों को अच्छे से धो लें। ऐसा करने से आपके बालों की कंडीशनिंग भी होगी और बाल काले हो जाएगें।

- दूध

गाय के दूध को बालों में लगाने से आपके सफेद बाल काले होने लगते हैं। इसलिए बालों को कुदरती तौर पर काला करने के लिए हफ्ते में 2-3 बार इसे बालों पर जरूर लगाएं।

- कढ़ी पत्ता

बालों को धोने से पहले आप नहाने वाले पानी में कढ़ी पत्तें डाल कर एक घंटे तक रख दें। बाद में उसी पानी से आप बालों को धोएं। आप इसे दूसरी तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पत्तों को बारीक काटकर गर्म नारियल तेल में मिला भी बालों में लगा सकते हैं।

- देसी घी

कुदरती तौर पर बालों को काला करने के लिए देसी घी से सिर की मालिश करें। इसे त्वचा को पोषण मिलता है और बालों के सफेद होने की समस्या भी दूर हो जाती हैं।

स्ट्राइप फैशन का क्रेज

स्टाइलिश ड्रैसेज

फैशन हर दिन बदलता है। आज स्लीवलैस का तो कल फुलस्लीव का फैशन ट्रैंड में होता है। इन दिनों स्ट्राइप फैशन जोरों-शोरों पर चल रहा है। वैसे यह स्ट्राइप पहले भी चलते थे लेकिन अब यह फिर से फैशन में नजर आ रहे हैं। हॉलीवुड सितारें हो या बॉलीवुड, उनके आऊटफिट्स में भी स्ट्राइप फैशन की झलक देखने को खूब मिलती है। स्ट्राइप में भी आपको डिफरैंट-डिफरैंट स्टाइल देखने को मिलेंगे। आप अपनी पसंद और पर्सनैलिटी के हिसाब से हॉरिजॉन्टल, वर्टिकल, रैक्टेंगुलर, डाइगनल, जिग-जैग और नॉटिकल स्ट्राइप का चुनाव कर सकती हैं। नॉटिकल स्ट्राइप में ड्रैस और टॉप लड़कियों को खूब पसंद आते हैं। स्ट्राइप में आप वन पीस, क्रॉप टॉप, गाऊन, साड़ी पहन सकते हैं। अब तो आपको स्ट्राइप स्टाइल पेंट्स में भी आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप स्पोर्टी लुक चाहती हैं तो स्ट्राइप ड्रैस बेस्ट हैं। यह जरूरी नहीं है कि आप ब्लैक एंड व्हाइट स्ट्राइप डिजाइन चूज करें। आप फ्लोरल कलर में कन्ट्रास्ट मैचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्राइप ड्रैस वियर करने की सबसे खास बात यह है कि इसके साथ आपको ज्यादा एक्सेसरीज और हेयर स्टाइल बनाने की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि यह साधारण लुक में भी काफी ग्रैसफुल लगती है। आप इसके साथ सिंपल, फ्रैंच या फिश टेल बना सकती हैं। आप बालों को लूज भी छोड़ सकती हैं। गले में कुछ न भी पहनें तो भी आप आकर्षक ही दिखेंगी। इन बातों का रखें ख्याल स्ट्राइप आऊटफिट को प्रफैक्ट ड्रैसिंग रूल के अनुसार पहना जाए, तभी यह अच्छी लगती है। अपने फिगर और पर्सनैलटी के हिसाब से स्ट्राइप स्टाइल चूज करें। - अगर आपकी हाइट छोटी और आप हैल्दी हैं तो हॉरीज़ॉन्टल स्ट्राइप्स पहनने की गलती न करें क्योंकि उसमें आप फैटी और छोटे दिखेंगी बल्कि वर्टिकल स्ट्राइप का चुनाव करें। वहीं अगर आप बहुत ज्यादा पतली हैं तो हॉरीजॉन्टल स्ट्राइप्स चूज करें।

- स्ट्राइप ड्रैस के साथ ज्यादा एक्सेसरीज न पहनें। अगर आप कुछ पहनना ही चाहती हैं तो चंकी एक्सेसरीज पहनें।

- अगर आप ड्रैस या फिर जींस के साथ टॉप वियर करना चाहती हैं तो नॉटिकल स्ट्राइप बेस्ट हैं। बाजार में आपको ढेरों नॉटिकल स्ट्राइप प्रिंट मिल जाएंगे। नॉटिकल स्ट्राइप में आप स्टाइलिश लुक में नजर आएंगी। -डायगनल यानी तिरछी रेखाओं वाले टॉप भी बहुत ही स्टाइलिश लगते हैं। आप स्ट्राइप टॉप के साथ प्लेन स्कर्ट या जींस वियर कर सकती हैं। अगर आपके कंधे चौड़े हैं तो आप इसमें लूज ड्रैस का चुनाव कर सकती हैं।

अब पैरों की बदबू नहीं करेंगी परेशान, अपनाएं ये नुस्खा

गर्मियों में पैरों की बदबू आपको खुद को तो परेशान करती ही है, साथ ही साथ यह दूसरों को भी इरीटेट करती है। बहुत बार तो पैरों के अंगूठे और अंगुलियों के आस पास रैशेज़ भी हो जाते है। आज हम आपको पैरों की दुर्गंध दूर करने के कुछ उपाय बताएंगे। आप पैरों की इस परेशानी को दूर करने के लिए घर पर ही स्प्रे बना सकते है।

-3 चम्मच डिस्टिलड वॉटर -1 चम्मच स्प्रिट

-ड्ड चम्मच आलमंड ऑयल -15 बूंदें पिपरामिंट ऑयल -15 बूंदे टी ट्री ऑयल विधिः एक बर्तन में पानी, स्प्रिट, आलमंड ऑयल, पिपरामिंट ऑयल और टी ट्री ऑयल को मिक्स कर लें। अब इसे एक स्प्रे बोतल में डाल लें। इसका लगातार इस्तेमाल करते रहे। पैरों कीदुर्गंध अपने आप गायब हो जाएगी। बादाम का तेल स्किन को माइस्चराइज़ करता है। पिपरामिंट ऑयल रिफ्रैशिंग खूशबू देता है और टी ट्री ऑयल इंफैक्शन को दूर करता है।

इन 5 तरह की मिट्टियों से पाएं बेदाग-निखरा चेहरा!

गर्मियों के दिनों में पिंपल्स और घमौरिया की समस्या आम बात है। इस मौसम में स्किन आयली हो जाती है, जिसकी वजह से बाडी पर दाने होने लगते है। इस तरह की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आप मंहगे प्रोडक्टस भी यूज़ करते है।आज हम आपको कुछ ऐसे पैक्स के बारे में बताएंगे जिससे आप इस परेशानी से निजात पा सकते है। 1.मोरक्को की लाल मिट्टी

इस मिट्टी में आयरन आक्साइड होता है,जो रंग गोरा करता है और ब्लैकहैडस हटाता है। यह मोरोको के अटलास पहाडों में पाई जाती है। मिट्टी और पानी को बराबर मात्रा में मिला लें। इसे चेहरे पर 10-15 मिनटों के लिए लगाएं।

2. बेटोनाइट मिट्टी

इस मिट्टी को बराबर मात्रा में फिल्टर पानी के साथ मिला लें।10-15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। ये मिट्टी ज्वालामुखी की राख से बनती है, और पिंपल्स रोकने में मदद करती है।

3. समुद्री मिट्टी

यह स्किन की डीप क्लेन्जिग करती है। मिट्टी में एप्पल साइड विनेगर मिला कर लगाए, और 10-15 मिनट बाद धो लें।

4. मुलतानी मिट्टी

यह मिट्टी पिगमेंनटेशन को ठीक करती है। 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी,1 छोटा चम्मच शहद,1 चुटकी हल्दी और एक बडा चम्मच गुलाब जल मिला लें। हफ्ते में दो बार लगाएं।

5. सफेद चीनी

मिट्टी यह गर्म और नमी वाली जगहों पर होती है। इसे चाइना क्ले भी कहा जाता हैं। सैंसीटीव स्किन के लिए इसका बना पैक बहुत फायदेमंद है। इसे आप ऐलोवीरो और पानी के साथ मिक्स करके लगाएं। धोने के बाद मॉश्चराइज़र लगा लें।